दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 274 | ग्वालियर, गुरुवार 08 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

बिहार चुनाव में एलजेपी फैक्टर का कितना होगा असर?

जेडीयू या महागठबंधन को चुकानी पड़ेगी कीमत

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी के अकेले लड़ने से बिहार विधानसभा चुनाव रोचक हो गए हैं। एनडीए से हटकर चुनाव मैदान में उतरी लोजपा को क्या कोटे की सभी 122 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करती है तो माना जा रहा है कि 25-30 सीटों पर उसे अच्छे मत मिल सकते हैं। हालांकि इनमें से चंद सीटें

हासिल होगा, यह नतीजे बताएंगे। लेकिन संकेत साफ हैं कि कई सीटों पर पार्टी तीसरे या चौथे नंबर पर रहकर भी जदयू या महागठबंधन की हार-जीत को प्रभावित करेगी। दूसरे, दलों से आ रहे बागियों ने भी इस संभावना को बढ़ा दिया है। यदि लोजपा जदयू ही जीत पाने की स्थिति में वह होगी। ज्यादातर सीटों पर वह तीसरे या चौथे स्थान पर रहेगी। जिसकी कीमत जदयू या महागठबंधन में से किसी एक को चुकानी पड़ेगी। भाजपा कोटे की सीटों पर लोजपा चुनाव नहीं लड़ रही है। ऐसे में 122 सीटों पर जदयू या महागठबंधन के उम्मीदवारों से उसका मुकाबला होगा। जिन 25-30 सीटों पर लोजपा को फायदा होने की संभावना है, उसके कई कारण हैं। इनमें से कई सीटें ऐसी हैं जो कभी न कभी उसने जीती हैं या दूसरे नंबर पर रही है। कुछ सीटों पर उसे बागियों को मैदान में उतारने से भी फायदा हो सकता है। हालांकि लोजपा कम से कम ऐसी 42 सीटें बताती है जहां उसकी उपस्थिति ठीकठाक है। पिछले विधासभा चुनाव को देखें तो भाजपा ने 53 सीटें जीतने के बावजूद सबसे ज्यादा 24 फीसदी मत हासिल किए थे। राजद को 18 और जदयू को करीब 17 फीसदी वोट मिले थे। यह दर्शाता है कि भाजपा को सिर्फ उच्च तबके के मत नहीं मिलते बल्कि अन्य वर्गों का समर्थन मिलता है। क्योंकि जद यू तब अलग लड़ रहा था इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि लोजपा या आरएलएसपी की वजह से भाजपा को ज्यादा वोट मिले। क्योंकि इन दलों का दायरा सीमित क्षेत्रों में है। राजनीतिक विशेषज्ञ अभय कुमार दुबे कहते हैं कि जो स्थिति वहां अभी बन रही है, उससे भाजपा को कोई नुकसान नहीं है और न लोजपा को कोई लाभ होता दिख रहा है। यह देखना होगा कि कितनी सीटों पर असल में लोजपा वोट काटती है और उससे वह जदयू का ज्यादा नुकसान करती है या महागठबंधन का ? लेकिन यह तय है कि 122 में से अनेक सीटों पर लोजपा फैक्टर हावी रहेगा।

बिहार चुनाव 2020:

पहले चरण के लिए कांग्रेस ने जारी की 21 उम्मीदवारों की लिस्ट

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के पहले चरण के लिए कांग्रेस ने 21 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। पहले चरण के लिए 28 अक्टूबर को मतदान होना है। इसके लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 8 अक्टूबर को खत्म हो जाएगी। इससे पहले बुधवार को ही जदयू ने अपने सभी 115 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी। वहीं कांग्रेस के सहयोगी राजद ने भी 42 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस की तरह से जारी लिस्ट के मुताबिक, कहलगांव से शुभानंद मुकेश, सुल्तानगंज से लल्लन यादव, अमरपुर से जीतेंद्र सिंह, जमालपुर से डॉ अजय कुमार सिंह, लखीसराय से अमरीश कुमार, बरबीघा से गजानंद शाही उर्फ मुन्ना शाही, बाढ़ से सत्येंद्र बहादुर, बिक्रम से सिद्धार्थ सौरव और बक्सर से संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा पार्टी ने राजपुर (सुरक्षित) सीट से विश्वनाथ राम, चैनपुर से प्रकाश कुमार सिंह, चेनारी (सुरक्षित) से मुरारी प्रसाद गौतम, करगहर से संतोष कुमार मिश्रा, कुटुंबा (सुरक्षित) से राजेश कुमार, औरंगाबाद से आनंद कुमार सिंह, गया शहर से अखौरी ओंकार नाथ, टिकरी से सुमंत कुमार, वजीरगंज से शशि शेखर सिंह, हिसुआ से श्रीमति नीतु कुमारी, वरसैलगंज से सतीश कुमार उर्प मंटन सिंह और सिंकदरा (सुरक्षित) सीट से सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे।

जेल से महीनेभर बाद बाहर आईं रिया चक्रवर्ती, कोर्ट ने सुबह दी थी जमानत

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में गिरफ्तार हुईं एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बुधवार शाम भायखला जेल से बाहर आ गईं। वह तकरीबन एक महीने तक जेल में रहीं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार सुबह रिया को जमानत दे दी थी और निजी मुचलके के तौर पर एक लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया था।

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बुधवार शाम को तकरीबन 5−30 पर जेल से बाहर आई और गाड़ी में बैठकर रवाना हो गईं। इस दौरान, मुंबई पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल की पीठ ने राजपूत के सहयोगी दीपक सावंत और सैमुअल मिरांडा को भी जमानत दे दी, लेकिन रिया के भाई एवं मामले में आरोपी शौविक की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कथित तस्कर अब्देल बासित परिहार की याचिका भी खारिज कर दी। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित ड्रग्स मामले की जांच के सिलसिले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रिया और उनके भाई को पिछले महीने गिरफ्तार किया था। अन्य आरोपियों को भी मामले की जांच के दौरान एनसीबी ने गिरफ्तार किया था।

हाईकोर्ट ने रिया को दिया निर्देश–हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती को जमानत देते हुए उनसे एनसीबी को अपना पासपोर्ट सौंपने और विशेष एनडीपीएस अदालत की अनुमति के बिना देश के बाहर ना जाने का निर्देश दिया। पीठ ने उनसे एनसीबी की आज्ञा के बिना मुम्बई से बाहर ना जाने और जमानत पर बाहर रहने के दौरान सबूतों के साथ छेड़छाड़ ना करने को भी कहा। अदालत ने रिया से निजी मुचलके के तौर पर एक लाख रुपये जमा कराने और रिहाई के बाद शुरुआती 10 दिन निकटतम पुलिस थाने में पेश होने का निर्देश भी दिया।

मुंबई से बाहर जाने के लिए लेनी होगी एक्ट्रेस को अनुमति–अदालत ने कहा कि रिया के अलावा जिन लोगों को जमानत दी गई है, उन्हें भी मुंबई से बाहर जाने के लिए एनसीबी के जांच अधिकारियों की अनुमति लेनी होगी। एनडीपीएस की विशेष अदालत के जमानत याचिकाएं खारिज करने के बाद रिया और उनके भाई ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल ने अपने फैसले पर स्थगन लगाने का एनसीबी का अनुरोध स्वीकार करने से इनकार कर दिया, ताकि एजेंसी आदेश को चुनौती दे सके। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही जमानत के लिए बड़ी सख्त शर्तें रखी हैं। रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा कि वह फैसले से खुश हैं।

पुष्पांजली समूह में अच्छे कार्य के लिए अपने पत्रकार साथियों को सम्मानित किया

ग्वालियर / पुष्पांजली समूह ने अपने पत्रकार साथियों को अच्छे कार्य के लिए उत्साहवर्धन स्वरूप सम्मानित किया आज दिनांक को पुष्पांजली टुडे के ग्वालियर कार्यालय पर संभाग के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के साथी भी इस समारोह में उपस्थित हुए कार्यक्रम में जिनका स्वागत किया गया वो इस प्रकार है महेंद्र शर्मा ग्वालियर संभाग रिपोर्टर,गौरव शर्मा चम्बल संभाग

रिपोर्टर,अनिल पराशर क्राइम रिपोर्टर म.प्र.निर्मला शाक्य रिपोर्टर भिण्ड,अरुण शुक्ला,किरण राठौर औरैया ब्यूरो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ इसके उपरांत सभी साथियों ने अपना अपना परिचय दिया अपनी अपनी प्रोग्रेस बताई इसके उपरांत पत्रकार साथियों को अच्छे कार्य के लिए पारितोषिक प्रदान किया गया।

पालघर कांड में पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई: सुप्रीम कोर्ट से उद्धव सरकार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि इस साल अप्रैल में पालघर जिले में दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या किये जाने की घटना के सिलसिले में कुछ पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गयी है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ को राज्य सरकार ने बताया कि उसने इस मामले में पिछले महीने एक हलफनामा दाखिल किया है। इस हलफनामे में इस मामले में कथित रूप से कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई सहित अनेक विवरण दिये गये हैं।

महाराष्ट्र पुलिस ने पिछले महीने यह हलफनामा दाखिल किया था जिसमें बताया गया कि पालघर की घटना के सिलसिले में 18 पुलिसकर्मियों के खिलाफ सेवा से बर्खास्तगी से लेकर वेतन में कटौती जैसी कार्रवाई की गयी है। शीर्ष अदालत पालघर में दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या की घटना की सीबीआई या एनआईए से जांच कराने सहित कई याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। कोविड-19 महामारी में लॉकडाउन के दौरान मुंबई के कांदिवली से दो साधु एक कार में गुजरात के सूरत जिले में किसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। पालघर के गढ़चिंचली गांव में 16 अप्रैल की रात में पुलिस की मौजूदगी में उनकी कार रोककर उन पर हमला किया गया था। इस घटना में मारे गये व्यक्तियों की पहचान 70 वर्षीय चिकने महाराज कल्पवृक्षगिरि, 35 वर्षीय सुशील गिरि महाराज और वाहन चालक 30 वर्षीय नीलेश तलगडे के रूप में हुयी थी। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उन्हें राज्य पुलिस का करीब एक हजार पेज का हलफनामा मंगलवार की रात में मिला है। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, हर व्यक्ति अंतिम क्षणों में जवाब क्यों दाखिल कर रहा है। साथ ही पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को इसका जवाब देने के लिये समय दिया जायेगा। एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में राज्य की एक विंग दूसरी विंग के खिलाफ जांच कर रही है और यह विश्वास पैदा नहीं करेगा। पीठ ने कहा, हम इस पर विचार करेंगे। हमने हलफनामा पढ़ा नहीं है। हम आज कैसे फैसला कर सकते हैं? याचिकाकर्ताओं को जवाब दाखिल करने दीजिये फिर हम देखेंगे। पीठ ने अपने आदेश में कहा, राज्य ने हलफनामा दाखिल किया है। याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह के भीतर इस हलफनामे का जवाब दाखिल करने दिया जाए। पीठ ने इसके साथ ही इस मामले को 16 नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

मौका दिए जाने के बावजूद तीन आतंकवादियों ने नहीं किया समर्पण, सेना के किया ढेर

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों को कई बार समर्पण करने को कहा गया और इसके लिए समय भी दिया गया लेकिन वह नहीं माने जिसके बाद उन्हें मार गिराया गया। अभियान कल शाम चार बजे शोपियां जिले के सुगन क्षेत्र में शुरू हुआ। अधिकारियों ने यहां बताया कि राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की 44वीं इकाई ने रात साढ़े आठ बजे के आसपास अभियान रोक कर आतंकवादियों को समर्पण करने का मौका दिया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने कुछ प्रबुद्ध स्थानीय लोगों को बुलाकर उनसे आतंकवादियों को समझाने के लिए कहा गया। क्षेत्र की घेराबंदी करने के बाद 44 आरआर के कमांडिंग अफसर कर्नल ए के सिंह और उनके दल ने आतंकवादियों को समझाने बुझाने का निर्णय लिया। उन्होंने कुछ धार्मिक लोगों और स्थानीय व्यक्तियों को बुलाकर लाउड स्पीकर पर उनसे घोषणा करवाई कि आतंकवादी समर्पण कर दें। अधिकारियों ने कहा कि समर्पण की अपील करने वाले लोगों पर आतंकवादियों ने हथगोले फेंके। इसके बाद सेना ने दिन शुरू होते ही फिर से अभियान शुरू कर दिया। अधिकारियों के अनुसार तीनों आतंकवादियों को मार गिराने में ज्यादा समय नहीं लगा और अभियान समाप्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि तीनों आतंकवादी अल बद्र संगठन के थे।

बिहार चुनाव 2020: वीआईपी की एनडीए में एंट्री

भाजपा ने एलजेपी को चेताया, दूसरे दलों से चुनाव लड़ने वालों का निष्कासन तय

पटना। प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाने के बयान पर लोजपा को चेतावनी देते हुए बिहार भाजपा ने एक बार फिर दोहराया है कि प्रधानमंत्री पहले भाजपा के नेता हैं और फिर वे देश के पीएम हैं। बिहार चुनाव के 40 स्टार प्रचारकों में प्रधानमंत्री हैं। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल ने कहा कि एनडीए के चारों घटक दलों यानी भाजपा, जदयू, हम व वीआईपी को छोड़ कोई भी हमारे स्टार प्रचारक की तस्वीर का उपयोग चुनाव में नहीं कर सकता है। एनडीए के अलावा किसी और दल ने पीएम की तस्वीर का उपयोग किया तो पार्टी मुकदमा भी कर सकती है।

बुधवार को एनडीए में वीआईपी की विधिवत इंट्री के मौके पर एक होटल में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बिहार भाजपा इकाई के नेताओं ने दल छोड़कर जाने वाले नेताओं को भी चेताया। वीआईपी को अपने कोटे की 121 सीट में से 11 सीट और भविष्य में एक विधान पार्षद सीट देने की घोषणा के बाद उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे दलों के निशान पर चुनाव लड़ने, एनडीए के खिलाफ काम करने वाले नेताओं का निष्कासन तय है। वीआईपी के एनडीए में आने पर कहा कि भाजपा शुरू से ही अतिपिछड़ों को सम्मान देती रही है जबकि राजद और कांग्रेस हमेशा अतिपिछड़ों का

अपमान करता रहा है। पिछले विधान सभा चुनाव में 42 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने एक भी अति पिछड़ा को टिकट नहीं दिया था। भाजपा ने 25 सीटें अतिपिछड़ों को दिया जिनमें से 12 जीत कर आए। राजद ने केवल 5 अतिपिछड़ों को टिकट दिया। सुशील मोदी ने आगे कहा कि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में अति पिछड़ा समाज की बड़ी भूमिका थी। दावा किया कि इस चुनाव में अतिपिछड़ा समाज न केवल एकजुट होकर एनडीए के पक्ष में वोट करेगा, बल्कि अतिपिछड़ा समाज से आने वाले मुकेश सहनी के अपमान का बदला भी लेगा। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व बिहार चुनाव प्रभारी देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि जो एनडीए गठबंधन में नहीं है, वो हमारा नहीं है। कोई यह सोंच ले कि वह गलती करेगा और हम उसे माफ कर देंगे तो यह संभव नहीं है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद डॉ संजय जायसवाल ने कहा कि एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनावी मैदान में जा रही है। जिसे नीतीश कुमार का नेतृत्व नहीं स्वीकार है, वैसे दल या नेता को एनडीए में कोई जगह नहीं है। भाजपा छोड़ लोजपा से चुनाव लड़ने वाले नेताओं के सवाल पर कहा कि ऐसे लोगों को जल्द ही पार्टी से विधिवत निकाला जाएगा। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमने पहली बार जब राजनीति में कदम रखा तो अतिपिछड़ा के बेटे नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए मेहनत की। बीच में भटककर कुछ समय के लिए दूसरे गठबंधन में चला गया था। महागठबंधन पर आरोप लगाया कि अतिपिछड़ा के बेटे के पीठ में खंजर भोंका पर एनडीए ने मल्लाह के मरहम लगाया। महागठबंधन में मेरे बल पर सरकार बनती, इसलिए डिप्टी सीएम का पद मांगा था।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

आंगनबाड़ी केंद्रों पर महीने में एक बार होता है पोष्टिक आहार का बितरण

स्वसहायता समूह द्वारा सरकार को लगाई जा रही भारी चपत

दबोह(अर्पित गुप्ता)

प्रदेश सरकार गरीबो के लिए चाहे कितनी भी योजनाओं की घोषणा क्यों न करदे पर उनका असली लाभ लोगो तक नही पहुंच पाता है क्यों कि बीच मे ही वह सब गोलमाल हो जाता है।दरअसल मामला नगर दबोह में संचालित 17 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोष्टिक आहार के नाम पर सिर्फ दिए जा रहे भुने आटा और खिचड़ी का है।दबोह की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को नगर की एक स्वसहायता समूह पोष्टिक आहार आवंटित करती हैं शासन के निर्देशानुसार स्वसहायता समूह को हर सप्ताह पोष्टिक आहार केंद्रों पर पहुचाना चाहिए पर दबोह की आंगनबाड़ी केंद्रों पर हर हफ्ते की जगह महीने में सिर्फ एक वार ही भुना हुआ आटा या खिचड़ी पहुचाई जाती हैं।बकाया दिनों का पोष्टिक आहार स्वसहायता समूह के संचालक की जेब में पहुच जाता हैं।इतना ही नही स्वसहायता समूह के द्वारा हर आंगनबाड़ी को कंभी 15 किलो तो कभी 20-25 किलो भुना हुआ आटा मात्र दिया जाता हैं तो कभी इतनी ही मात्रा में खिचड़ी दी जाती हैं।स्वसहायता समूह के नाम पर सरकार को हर महीने हजारो रुपयों का चूना लगाया जा रहा है।मजे की बात तो यह है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की हर महीने मीटिंग सुपरवाइजर के द्वारा ली जाती है पर स्वसहायता समूह की इस काल गुजारी पर ध्यान न जाना कहीं न कहीं अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सबालिया निशान खड़े करते हैं। स्वसहायता समूह के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को किस माह में कितना भुना हुआ आटा और खिचड़ी एक नजर मे

भुना हुआ आटा 21-04-2020 को 15 किलो
24-04-20 को 20 किलो
02-05-20 को 45 किलो
18-06-20 को 30 किलो
11-07-20 को 30 किलो
26-08-20 को 30 किलो
22-09-20 को 20 किलो खिचड़ी बाटी गई थी।अब आप अंदाजा लगा सकते है कि स्वायत्ता समूह में कितना भ्रष्टचार किया जा रहा है और इतना सब होने के बाद भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है।

इनका कहना

1-अभी तक इस सम्बंध में कोई शिकायत नही मिली थी पर अगर ऐसा है तो जांच कर कार्यवाही की जाएगी।
आर.ए प्रजापति
एसडीएम लहार

स्वसहायता समूह के द्वारा हर सप्ताह पोष्टिक आहार का बितरण किया जाता हैं जो महीने में चार बार या दो दो सप्ताह का एक साथ बितरण कर सकते है मैं जांच करवाता हूँ।

परियोजना अधिकारी लहार

संभागीय रिपोर्टर दुर्ग सिंह लोधी करेरा

सत्ता का दुरुपयोग कर भाजपा प्रत्याशी जसवंत जाटव करवा रहे सरकारी कर्मचारियों का अटैचमेंट।

सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट पूर्व विधायक जसवंत जाटव के लैटरपैड पर हो रहे ट्रांसफर।

सरकारी कर्मचारियों का कहना है कि पूर्व विधायक के पक्ष में काम ना करने से हुआ ट्रांसफर।

करेरा - जिले की करेरा विधानसभा में उपचुनाव का बिगुल बज चुका है और भाजपा के नेताओं द्वारा सत्ता के नशे में चूर है इसलिए सरकारी कर्मचारियों को इधर से उधर अटैचमेंट करवाने के लिए लगे हुए हैं क्योंकि भाजपा के पक्ष में काम करवाने के लिए बोल रहे हैं लेकिन यह कर्मचारियों को सत्ता की मदद से झूठे आरोप लगाकर की यह कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहे हैं इसलिए उनका ट्रांसफर करेरा विधानसभा से अलग जिले की अन्य विधानसभा में करवा रहे हैं अटैचमेंट भाजपाई नेता और पूर्व जनप्रतिनिधि। वहीं इन कर्मचारियों के पक्ष में जाटव समाज के लोग खुलकर सामने आ रहे है कि अगर इस तरह से हमारे जाटव समाज के कर्मचारियों को पूर्व विधायक जसवंत जाटव के द्वारा परेशान किया जायेगा तो हमारी पूरी जाटव समाज आदोंलन करने के लिए बाध्य होगी इस सबकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन के साथ भाजपा के नेताओं और उनके प्रत्याशी जसवंत जाटव की भी होगी

इनका कहना

सत्ता के नशे में भाजपा जनप्रतिनिधि नहीं करें समाज के कर्मचारियों को परेशान नहीं तो सत्ता में बैठना भी जानते हैं और सत्ता से उतारना भी - सोनू निगम समाजसेवी सत्ता के नशे में बहुजन समाज के कर्मचारियों को नहीं करें परेशान नहीं तो किया जाएगा आंदोलन

महेंद्र बौद्ध भीम आर्मी

दबोह में बंदरों के आतंक से जनता परेशान

दबोह(अर्पित गुप्ता)

इन दिनों नगर में बंदरों के आतंक काफी हद तक बढ़ गया है।अब तो लोगो को छत पर जाने से भी डर लगने लगा है।क्यों कि इन बन्दरो का आतंक इतना है कि लोगो को छत पर जाने से पहले कई बार सोचना पड़ता है दरअसल बन्दरो के आतंक के चलते नगर के कई लोग बुरी तरह घायल भी हो चुके हैं पर अगर इस समस्या पर कोई प्रतिक्रिया नही हुई तो यह तय है कि किसी दिन कोई अपनी जान गंवा बैठेगा क्योंकि नगर ने एक दो नही बल्कि बन्दरो का पूरा झुंड है।नगरीय प्रशासन से अपील ही कि जनता की समस्या को देखते हुए बन्दर पकड़ने वालो को बुलाएं जिससे कि नगर में इन बन्दरो का आतंक खत्म हो सके।

पूर्व बिधायक पहुँचे शोकाकुल परिवार के बीच किया शोक व्यक्त

लहार(अर्पित गुप्ता) भाजपा नेता अशोक चौधरी के भाई के निधन पर देर रात पूर्व बिधायक मेहगांव मुकेश चौधरी ने उनके ग्रह ग्राम आलमपुर खिरिया पहुँचकर शोक ब्यक्त किया यहां आपको बता दे कि सिंधिया समर्थक भाजपा नेता अशोक चौधरी के भाई जो मिहोना बालाजी महाविद्यालय में पदस्थ थे का अभी हाल ही में अचानक निधन हो गया था जिसका शोक ब्यक्त करने क्षेत्रीय लोग आलमपुर खिरिया पहुँच रहे है उसी के चलते देर शाम पूर्व बिधायक मेहगांव मुकेश चौधरी खिरिया पहुँचे ओर शोक ब्यक्त कर परिवार को ढांढस बंधाया इस मौके पर उनके साथ लहार भाजपा नेता संजीव चौधरी ठेकेदार,पूर्व मंडल अध्यक्ष नंदराम बघेल,बिनोद चौधरी मिहोना,रविकांत दीक्षित कैथा,अशोक चौधरी,उत्तम चौधरी कक्का आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अवैध तमंचाधारी युवक को रौन पुलिस ने पकड़ा

थाना प्रभारी रौन कुशल सिंह भदौरिया की कार्यबाही

रौन(अर्पित गुप्ता)

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन के मार्गदर्शन में एबम लहार एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल के निर्देशन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत थाना प्रभारी रौन कुशल सिंह भदौरिया ने एक तमंचाधारी युवक को मुखबिर की सूचना पर धर दबोचा। थाना प्रभारी रौन कुशल सिंह भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि रौन पुलिस अपने डेली रूटीन के तहत क्षेत्र में गश्त पर थी, उसी दौरान मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि

एक युवक बारदात की नीयत से ग्राम चंदावली नःम्बर.1 प्रतीक्षालय के पास से एक युवक अबैध रूप से तमंचा लिए बारदात की नीयत से घूम रहा है मुखबिर की सूचना की तुरंत तस्तीक की गई और पुलिस जैसे ही मुखबिर के बताए स्थान पर पहुँची तो पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की पर पुलिस की घेराबंदी के चलते भागने में नाकामयाब रहा और पकड़ा गया जिसने पूंछतांछ में अपना नाम बिकाश पुत्र रायसिंह राजावत उम्र 20 बर्ष निबासी चंदावली नःम्बर एक को पकड़कर तलाशी ली गई तो उसके कमर में एक 315 बोर का कट्टा एवम एक जिंदा कारतूस मिला। आरोपी के विरूद्ध रौन थाने के अपराध क्र.267/20 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है। उक्त आरोपी को दबोचने में थाना प्रभारी रौन कुशल सिंह भदौरिया की टीम में सहायक उपनिरीक्षक रामनिवास सिंह,आरक्षक सूरज जाट,आरक्षक चालक धनीराम की सराहनीय भूमिका रही।

कट्टाधारी युवक को आलमपुर पुलिस ने पकड़ा

थाना प्रभारी कमलकांत दुबे की कार्यबाही

आलमपुर(अर्पित गुप्ता)

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन के मार्गदर्शन में एबम लहार एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल के निर्देशन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत थाना प्रभारी आलमपुर कमलकांत दुबे ने एक कट्टाधारी युवक को मुखबिर की सूचना पर धर दबोचा। थाना प्रभारी आलमपुर कमलकांत दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि आलमपुर पुलिस अपने डेली रूटीन के तहत क्षेत्र में गश्त पर थी, उसी दौरान मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि एक युवक बारदात

की नीयत से भाँपर रोड पर कट्टा लिए घूम रहा है मुखबिर की सूचना की तुरंत तस्तीक की गई और पुलिस जैसे ही मुखबिर के बताए स्थान पर पहुँची तो पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की पर पुलिस की घेराबंदी के चलते भागने में नाकामयाब रहा और पकड़ा गया जिसने पूंछतांछ में अपना नाम शिवम पुत्र गजेंद्र गुर्जर निबासी भाँपर को पकड़कर तलाशी ली गई तो उसके कमर में एक 315 बोर का कट्टा एवम एक जिंदा कारतूस मिला। आरोपी के विरूद्ध आलमपुर थाने मर धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

अम्बाह एसडीएम राजीब समाधिया व एसडीओपी अशोक सिह जादौन ने अम्बाह महुआ नगरा मतदान केन्दो का किया निरीक्षण...

केशब पडिंत जी अम्बाह...

अम्बाह... उपचुनाव को देखते हुऐ आदर्श आचार्य संहिता लागू कर दी गई है और पुलिस प्रकाशन की तैयारियां जोरो पर है आज अम्बाह एसडीएम राजीब समाधिया व एसडीओपी अशोक सिह जादौन ने अम्बाह पोरसा नगरा महुआ सर्किल के मतदान कैन्दो पर जाकर भ्रमण किया जिसमे नगरा सिलाबली धौर्रा कुरैठा भजन पुरा लालपुरा महुआ पिपरई हिगोटियाई कुदौना आदि गॉव गॉव में जाकर आमजन से सम्पर्क कर समझाइस देते हुऐ कहा कि सभी भाई उपचुनाव मे महती भूमिका निभाकर शान्ति प्रिय तरीके से मतदान करे और पुलिस प्रसासन का सहयोग करे अम्बाह एसडीओपी अशोक सिह जादौन ने ग्राम वासियो से जन सम्पर्क कर कहा कि अगर आपको कोई बाहरी ब्यक्ति दिखे अपराधी टाइप का हो या किसी भी ग्राम में शराब व नशीले पदार्थ जैसी चीजो का आदान प्रदान करता दिखाई दे तो 7049101040 या 100 डायल पर आप पुलिस को तुरन्त सूचित कर सकते है आपका नाम गोपनीय रखा जावेगा बाहरी ब्यक्तियो पर नजर बनाये रखे और पुलिस का सहयोग करे और एसडीओपी जादौन ने सभी थाना प्रभारियो को कडी चेतावनी देते हुऐ कहा कि अपराधो में संलिप्त अपराधियो का क्या रिकार्ड है उनकी कैसी गति बिधिया है तुरन्त जानकारी करे अपराधिक ब्यक्तियो पर तुरन्त कारबाही कर उन्हे पकडे और सभी सभी बीट प्रभारियो से कहा कि अपनी अपनी बीट पर नजर बनाये रखे जिस किसी भी की बीट में अबैध धन्धै हिंसक अपराध हुऐ तो पाये गये तो बीट प्रभारी भी नपेगे सभी अपनी यूनिफॉर्म में रहकर गस्त करेगे अपराध निकाल महिला संम्बधी अपराधो पर बिशेष ध्यान दे अच्छे कार्य करने बाले थाना प्रभारी व बीट प्रभारियो को पुरस्कृति भी किया जावेगा...

राजस्थानी रीति रिवाज एवं परंपरा के अनुसार विकास अधिकारी का जोरदार स्वागत किया गया

पाली. नेनाराम सिरवी.राजस्थानी रीति रिवाज एवं संस्कृति परंपरा के अनुसार पाली पंचायत समिति विकास अधिकारी मोहनलाल चौधरी का जोरदार स्वागत किया गया. पाली पंचायत समिति के ग्राम पंचायतों के दौरे पर रहे विकास अधिकारी मोहनलाल चौधरी का ग्राम पंचायत. भाव री. उपसरपंच महंत ज्ञान दास जी एवं ग्राम विकास अधिकारी धर्मेंद्र खंडेलवाल द्वारा पाली पंचायत समिति विकास अधिकारी मोहनलाल चौधरी का जोरदार स्वागत किया गया। पाली पंचायत समिति ग्राम पंचायत मनिहारी सरपंच भैरों सिंह शेखावत दयालपुरा सरपंच भैरू सिंह राजपुरोहित रुपावास सरपंच सुरेशबंजारा द्वारा पाली पंचायत समिति विकास अधिकारी मोहनलाल चौधरी का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया. राजस्थान पंचायती राज विभाग के तहत ग्राम पंचायत के भवन निर्माण का निरीक्षण भी किया गया. ग्राम पंचायत.गुरडाई. नवीन ग्राम पंचायत भवन के निर्माण को लेकर ग्राम विकास अधिकारी खेमराज मीणा को विशेष जानकारी गई।

दो लाख के सिगरेट के पैकेट वह एक लाख रूपये नगद की चोरी हुई

नारायणलाल सैणचा

चैन्नई । सुपर मार्केट दुकान की छत तोडकर चोरो ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व तामीलनाडु पावन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द ने घटना स्थल पहुच कर पिडीत दुकानदार प्रेमसिंगजी हाम्बडसे चोरी कि वारदात कि जानकारी हासिल की साथ ही स्वामी तेजानन्द ने स्थानीय पुलीस से चोरों कि वारदात को अन्जाम देने वाले चोरो को तुरन्त गिरफ्तार कर पिडीत दुकानदार के न्याय दिलाने का अनुरोध किया।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में जोश भरने आए पटेल एवं केपी सिंह

धीरज ओझा

बैराड़। पोहरी विधानसभा उपचुनाव में के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मीटिंग में का आयोजन कर आपसी मतभेद भूलकर जोश भरने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजकुमार पटेल एवं के पी सिंह रविवार को बैराड़ में आए जहांकार्यकर्ताओं की मीटिंग लेकर कांग्रेस प्रत्याशी जीत के लिए कमर कसने की बात कही। रतन होटल में आयोजित मीटिंग में बैराड़ क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता राजकुमार पटेल ने कहा कि हमारे लोगों ने हम से गद्दारी की उसका सबक सिखाने का मौका है हम सभी लोग एकजुट होंगे तभी सोनिया गांधी , कमलनाथ एवं कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी। पिछोर के कांग्रेस विधायक केपी सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर चुनाव में निष्ठा से पार्टी का काम करने की बात करते हुए कहा कि हमारी भाजपा से चुनावी लड़ाई बाद में है कांग्रेस से धोखा देकर गए गद्दारों से लड़ाई पहले है । आपका प्रत्याशी दमदार प्रत्याशी है जिसमें आपका जोश और उत्साह धोखा देने वालों को सबक सिखा सकता है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश शर्मा ने सभी कार्यकर्ता पार्टी को धोखा देकर बदनाम करने वालों की करतूतें घर-घर जाकर बता कर कांग्रेस प्रत्याशी एवं कांग्रेस के लिए मतदान कराएं यही आप लोगों की कांग्रेस के प्रति आप लोगों की निष्ठा है। कार्यकर्ताओं को महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती अर्चना गोयल एवं ब्लॉक अध्यक्ष राम दुलारे यादव भी संबोधित किया कांग्रेस प्रत्याशी हरीवल्लभ शुक्ला ने सभी कार्यकर्ताओं से आगे पीछे की सभी बातें भूल कर उपचुनाव में सहयोग करने की बात कही।

हे नाथ

शिव शंकर
थरथर कापे ब्रह्मांड
धरा अति रूप भयंकर
प्रलयकारी
हुआ विनाशकारी
रूप तेरा शिव शंकर
धरा अति रूप भयंकर
डमरु
मृदंग ध्वनि
बादलों की टंकार
रूप तेरा शिव शंकर
धरा अति रूप भयंकर
सतीपति
उमा पति
पार्वती के पति
जय महादेव शंकर
धरा अति रूप भयंकर

महेश राठौर सोनू
गाँव राजपुर गढ़ी
जिला मु0नगर

भाजपा की कथनी करनी में एकरूपता : नरेंद्र सिंह

मेरा सपना नेता बनना नही जनसेवा करना है,रणवीर

मोहन मांझी

गोहद ,गोहद विधानसभा उपचुनाव की तैयारी के भाजपा ग्रमीण, मालनपुर मण्डल का सेक्टर सम्मेलन केंद्रीय मंत्री भारत सरकार नरेंद्र सिह तोमर के मुख्य आतिथ्य में आयुषी गार्डन ग्वालियर रोड़ पर संपन्न हुआ मंच पर प्रदेश उपाध्यक्ष बिनोद गोटिया, राजनारायण शर्मा, रामबाबु उपाध्याय, नरेंद्र सिह कुशवाहा,

संग्राम सिह तोमर, सावंत सिह तोमर, जनवेद सिह तोमर, कमल सिह तोमर, राकेश तोमर ,ब्रजेन्द्र तोमर ,लक्ष्मीनारायण शर्मा, नाथूसिह गुर्जर,संजय झा, रमेश तोमर ,भीकम कौशल ,रामसिया जाटव ,ओपी आर्य ,बादशाहसिह सुमन तोमर अर्चना शर्मा मीना जाटव आदि उपस्थित थे मंच का संचालन नरेंद्र सिह तोमर ने किया यहाँ भाजपा के बरिष्ट नेताओं का सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। गोहद चोरहा स्थित आयुषी गार्डन में भाजपा के कार्यकर्ता सेक्टर को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिह तोमर ने कहा कि भाजपा की कथनी करनी में एकरूपता है धारा 370 भाजपा का सिर्फ नारा नही था बल्कि संकल्प था जिसे पूरा करना हमारा ध्येय था जो संकल्प 1953 में लिया गया था उसे 2019 में पूरा किया भाजपा ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण का संकल्प लिया और उसे 2020 में मंदिर निर्माण का भूमिपूजन कर संकल्प पूरा किया उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में विकास सम्भव है रक्षा मंत्रालय द्वारा मालनपुर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सैनिक स्कूल का निर्माण किया जाएगा इस स्कूल की स्थापना से चम्बल के युवाओं को प्रवेश मिलेगा ओर वो सैनिक नही कर्नल की पोस्ट पर भर्ती होंगे चम्बल एक्सप्रेस वे चम्बल की तकदीर व तश्वीर दोनों को बदल देगी उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है में एक सामान्य परिवार में पैदा हुआ और आज केंद्रीय मंत्री हु में आभारी हूं जिन्होंने मुझे गड़ागोहद विधानसभा उपचुनाव प्रत्याशी रणवीर जाटव ने कहा कि चुनाव किन परिस्थितियों में हो रहा है इससे आप लोग अनजान नही है में गोहद के विकास के लिए जनता के कल्याण के लिए जब जब भी कमलनाथ से मिला उन्होंने मेरी बात को अनसुना कर दिया तब हमने अपने क्षेत्र की जनता के सम्मान के लिए इस्तीफा दिया और भाजपा की सदस्यता ग्रहण की आज मेरी पूजी आप है और आपका भरोसा ही मेरी ताकत है। भाजपा जिलाध्यक्ष नाथूसिंह गुर्जर ने कहा कि गोहद विधानसभा के 17 सेक्टरों में सँगठन स्तर की चुनावी कार्यवाही संचालित है आभार प्रकट कमल सिह तोमर ने किया।

इनका हुआ सम्मान

गोहद भाजपा ग्रामीण मालनपुर मण्डल कार्यकर्ता सेक्टर सम्मेलन के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा भाजपा के बरिष्ट नेता मकरंद सिह, तुस्सीराम पटेल ,रामस्नेही अमर सिह ,भगवान सिह ,बैजनाथ सिह ,पूरन सिह ,मुरारीलाल अग्रवाल, मथुराप्रसाद गुप्ता ,ब्रजकिशोर भटेले ,भीमसेन गुर्जर, बीरेंद्र पटेल ,दिलीप सिह तोमर ,वीर सिह तोमर रामबरन सिह ,केशव सिह ,सामन्त सिह धीर सिह संग्राम सिह राजेन्द्र सिह ,रामेश्वर शर्मा ,परमाल सिह वासुदेव तोमर ,सिरनाम सिह अवतार सिह वीरेंद्र सिह ,सूबेदार सिह ,रामकरन दद्दा ,अमर सिह रमेश शर्मा बीरेंद्र सिकरवार का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया

शीर्षक:- निर्भया कितनी दफा रोई

निर्भया कितनी दफा रोई
दरिंदों की पनाहों में
सिसकता ही रहा यौवन
वासना की बाँहों में
तब तलक रूठेगा बचपन
पूँछती है यही नारी
मरेगी कब तलक बेटी
बचेगा कब तलक अत्याचारी
पुरुष की बन के कठपुतली
नाचती क्यों है हर औरत
उसी के आँचल में है जन्नत
और कदमों तले शोहरत
उसके आगे तो ईश्वर भी
सिर झुकाता है
नारी ही जने पुरुष को
वह ये क्यों भूल जाता है
तो आखिर क्यों उसी कोख को
कलंकित करता है कोई
यही सोंचकर प्रज्ञा' हाय !
कितनी दफा रोई..

रचनाकार
प्रज्ञा शुक्ला
सीतापुर, उत्तर प्रदेश

वन्य प्राणी प्रकृति की अनुपम देन हैं

इनकी सुरक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत-वनमंत्री कुंवर शाह

भोपाल। वनमंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा है कि वन्य प्राणी प्रकृति की अनुपम देन हैं, ऐसे निरीह मूक प्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण की दिशा में प्रत्येक नागरिक को सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत है। वन्य प्राणियों के प्रति संवेदनशीलता और दया भावना का जज्बा बढ़ाने से ही वन्य जीवन को सुरक्षित करने के साथ ही पर्यावरण का समुचित संवर्धन कर पायेंगे। वनमंत्री वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्य प्राणी सप्ताह 2020 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

वनमंत्री श्री शाह ने कहा कि वन्य जीवन के प्रति गहरी रूचि और अपनत्व की भावना विकसित करने के लिए सक्रिय जन-भागीदारी की आवश्यकता है। इससे आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित वन और पर्यावरण का अच्छा वातावरण देने में कामयाब हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि देवी-देवताओं ने वन्य प्राणी को अपने साथ रखा है, यह इस बात का द्योतक है कि वन्य प्राणियों को हमारे आराध्य देवी-देवताओं ने भी प्रमुख स्थान दिया है। मंत्री श्री शाह ने कहा कि वन्य प्राणियों के प्रति अज्ञान और अंधविश्वास की वजह से वन्य प्राणियों के संरक्षण कार्यक्रम में बाधक की स्थिति निर्मित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में वन्य जीवन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण विषय को अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वन्य प्राणी सप्ताह समापन के मौके पर बच्चों से लेकर युवा वर्ग के प्रतिभागियों ने अपने चेहरे पर वन्य प्राणी की फेस पेंटिंग कर उनके प्रति प्रेम और गहरे लगाव का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

प्रतियोगिताओं के विजेता हुए पुरस्कृत- वनमंत्री श्री शाह ने राज्य स्तरीय वन्य प्राणी सप्ताह के दरम्यान हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं मुख्यरूप से चित्रकला, फोटो ग्राफी, रंगोली, मेंहदी, पॉम पेंटिंग, सृजनात्मक प्रतियोगिता और फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया।

पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह

वन्य प्राणी संरक्षण पुरस्कार से नवाज गए अधिकारी - कर्मचारी- वनमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को वन्य प्राणी संरक्षण पुरस्कार 2019 एवं 2020 के पुरस्कार वितरित किये। इसमें 2019 के लिए 7 विभिन्न श्रेणी के अधिकारी एवं कर्मचारी और 2020 के लिए 8 विभिन्न श्रेणी के अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया।

2019 के पुरस्कार से सम्मानित- वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल के सहायक संचालक श्री ए.के.जैन, छिन्दवाड़ा वनवृत्त के वन क्षेत्रपाल श्री अमित सोनी, म.प्र. राज्य वन विकास निगम के श्री गोविन्द वासनिक, रीवा वनवृत्त के उप वनक्षेत्र पाल श्री दिग्विजय सिंह, उज्जैन वनवृत्त के वनरक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पवार, टाईगर स्ट्राईक फोर्स भोपाल के वन रक्षक उमंग वर्मा, इंदौर वनवृत्त वनरक्षक श्री प्रवीण मीणा, कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला के पशु चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल एवं टाईगर स्ट्राईक फोर्स होशंगाबाद के डॉग हैण्डलर श्री शिवराम उइके को 50-50 हजार रूपये का चैक एवं प्रशस्ति-पत्र दिये गये। इसके अलावा सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के सहायक वन संरक्षक श्री संदेश माहेश्वरी एवं उनके दल में शामिल 8 उप वन क्षेत्रपाल और वन रक्षकों को प्रत्येक को 11 हजार 111 रूपये की राशि और प्रशस्ति पत्र दिये गये।

2020 के पुरस्कार से सम्मानित- वर्ष 2020 के लिए वन्य प्राणी संरक्षण पुरस्कार उप वन संरक्षक श्री रजनीश कुमार सिंह, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व होशंगाबाद के सहायक वन संरक्षक श्री संजीव कुमार शर्मा, टाईगर स्ट्राईक फोर्स भोपाल के वन क्षेत्रपाल श्री इंदर सिंह बारे, वनवृत्त भोपाल के वनपाल श्री प्रमोद कुमार मालवीय, पेंच टाईगर रिजर्व के वन रक्षक श्री भूपेन्द्र राजपूत, बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया वनरक्षक श्री कमलेश कुमार नंदा, वनवृत्त छतरपुर के वनरक्षक श्री रामेश्वर मिश्रा, पेंच टाईगर रिजर्व सिवनी के वन्य प्राणी पशु चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा, कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला के स्थायी कर्मी श्री मनोजकुमार मिश्रा, वनवृत्त होशंगाबाद के स्थाई कर्मी श्री कमलेश कहार को 50-50 हजार रूपये की राशि और प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इसके अलावा टाईगर स्ट्राईक फोर्स इंदौर की उपवन संरक्षक श्रीमती प्रतिभा अहिरवार सहित उनके दल के 9 सदस्यों को 10-10 हजार रूपये और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

डॉ. गुप्ता को किया गया सम्मानित- वनमंत्री ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल के वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता को केन्द्रीय चिड़िया घर नई दिल्ली द्वारा पूर्व सीटू संरक्षण के लिए उन्हें प्राणी मित्र अवार्ड मिलने पर सम्मानित किया। वनमंत्री कुंवर विजय शाह ने वल्चर एस्टीमेशन 2019 की रिपोर्ट का विमोचन भी किया। वनमंत्री ने वन्य प्राणी संरक्षण की सभी को शपथ दिलाई और वन विहार के 9 स्थाई कर्मियों को जैकेट भी प्रदान की। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) आलोक कुमार ने राज्य स्तरीय वन्य प्राणी सप्ताह के दरम्यान हुए विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान संचालक कोमलिका मोहंता ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर टिमरनी विधायक श्री संजय शाह, प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राजेश श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और प्रतिभागी मौजूद थे।

मप्र में कोरोना वायरस से संक्रमण के 1570 नए मामले, 25 लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 1570 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 138668 तक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से 25 और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 2488 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से इंदौर पांच, भोपाल व जबलपुर में तीन-तीन, ग्वालियर व सीहोर में दो-दो, तथा खरगोन, सागर, नरसिंहपुर, रतलाम, बैतूल, दमोह, सतना, छिंदवाड़ा, रायसेन एवं अलीराजपुर में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 602 मौतें इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 410, उज्जैन में 95, सागर में 111, जबलपुर में 165 एवं ग्वालियर में 138 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को कोविड-19 के सबसे अधिक 425 नए मरीज इंदौर जिले में सामने आये हैं। जबकि भोपाल में 170, ग्वालियर में 70 एवं जबलपुर में 141 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 138668 संक्रमितों में से अब तक 118039 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गये हैं और 18141 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

धार जिले में टैंकर ने पिकअप को पीछे से मारी टक्कर

6 मजदूरों की मौत और 24 घायल

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में इंदौर-अहमदाबाद हाइवे पर सोमवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में तीन नाबालिग भी शामिल हैं। हादसा चिखलिया गांव के पास हुआ, जहां सड़क पर खड़े पिकअप वाहन को टैंकर ने पीछे से टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि पिकअप में करीब 40 मजदूर सवार थे। धार जिले के तिरला थाना क्षेत्र के चिखलिया फाटा पर सोयाबीन काटने आए मजदूरों से भरी पिकअप पंक्चर होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। तभी पीछे से आ रहे भारत गैस के टैंकर के चालक ने टक्कर मार दी, जिससे पिकअप में बैठे 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में 24 अन्य मजदूर भी घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एसपी आदित्य प्रताप सिंह और तिरला थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे में घायल और मृतकों के परिवार को कलेक्टर आलोक सिंह ने आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। घटना के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। एडीएम शैलेन्द्र सोलंकी ने बताया कि घटना रात करीब पौने तीन बजे की है। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। 24 लोग घायल हैं, जिनमें से 9 की हालत गंभीर है। कलेक्टर ने सभी घायलों का मुफ्त में इलाज करवाए जाने की घोषणा की है। प्रधान आरक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि तिरला फोरलेन पर जय अंबे ढाबे के पास पिकअप वाहन पंक्चर हो गया था। कुछ मजदूर पिकअप से उतर गए थे। कुछ उसी में बैठे हुए थे। मरने वालों में जितेंद्र पिता कब्बू भील (10), राजेश पिता कैलाश भील (12), कुंवर सिंह भील (40), संतोष पिता तेर सिंह (15), शर्मिला पति मोहब्बत भील (35), भूरीबाई पति मोहन भील (25) सभी निवासी कोदी शामिल हैं।

अब मंत्री ब्रजेंद्र सिंह यादव का साड़ी बांटते वीडियो वायरल, चुनाव आयोग से शिकायत करेगी कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश में 28 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर आए दिन आचार संहिता के उल्लंघन के मामले सामने आ रहे हैं। एक दिन पहले मंत्री बिसाहूलाल सिंह का नोट बांटते वीडियो वायरल हुआ था और अब एक और मंत्री और मुंगावली से भाजपा के संभावित प्रत्याशी बृजेंद्र सिंह यादव का साड़ी बांटते एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसे लेकर कांग्रेस एक बार फिर हमलावर हो गई है।

कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर नरेंद्र सलूजा ने कहा है कि वे इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे। सलूजा ने कहा कि मुंगावली के पूर्व विधायक और शिवराज सरकार में मंत्री बृजेंद्र यादव वीडियो में मतदाताओं को साड़ी बांट रहे हैं। भाजपा के मंत्री कोई नोट, कोई कलश तो कोई साड़ी बांट रहा है। कांग्रेस चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेगी। इस तरह के कामों से बीजेपी के नेता लगातार

मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं, जो सरासर आचार संहिता का उल्लंघन है। हालांकि, राज्यमंत्री बृजेंद्र सिंह यादव ने मामले में सफाई देते हुए कहा कि यह वीडियो आचार संहिता के पहले का है, जिसमें जैन समाज द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें उन्हें मुख्य अतिथि बनाया था। उसी कार्यक्रम में आशा कार्यकर्ताओं को साड़ियां और प्रमाण पत्र का वितरण किया गया था। इन आशा कार्यकर्ताओं ने कोरोनाकाल में अच्छे कार्य किए थे। मंत्री का कहना था कि कांग्रेस द्वारा गलत तरीके से वीडियो को वायरल किया गया है, जिसकी वह स्वयं जांच करेंगे और असामाजिक तत्वों पर एफआईआर दर्ज कराएंगे। मंत्री यादव का वीडियो अशोकनगर जिले के मुंगावली इलाके का है। कांग्रेस नेता नरेंद्र सलूजा ने इस वायरल वीडियो को ट्वीट किया है।

मना करने पर भी नाश्ता लेने चली गई बहन गुस्से में 12 साल के भाई ने फांसी लगा ली

सूरत। गुजरात के सूरत शहर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां भाई के मना करने पर भी जब बहन नाश्ता लाने के लिए बाहर चली गई तो भाई ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। सूरत के कापोद्रा में छोटी बहन रोकने के बाद भी जब भाई को थप्पड़ मारकर नाश्ता लेने चली गई तो इससे नाराज होकर 12 वर्षीय भाई ने जान दे दी। जानकारी के अनुसार, कापोद्रा के आनंद नगर में रहने वाले अरुण तिवारी कलर का काम करते हैं। वह मूलरूप से बिहार के निवासी हैं। उनकी पत्नी एम्ब्रॉयडरी का काम करती है।अरुण को एक बेटा और एक बेटी है। सोमवार सुबह पति-पत्नी दोनों अपने-अपने काम पर चले गए। घर में 12 साल का बेटा अमरेश और उससे छोटी बेटी थी। बहन नाश्ता लेने के लिए अमरेश से पैसे मांग रही थी। अमरेश के रोकने के बाद भी बहन जिद करके नाश्ता लेने चली गई। इससे नाराज होकर अमरेश ने घर में फांसी लगा ली। बहन नाश्ता लेकर आई तो भाई फंदे पर लटका हुआ था। बहन ने इस बारे में पड़ोसी को बताया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

ट्रांसजेंडर सौरव किट्टू टांक ने फतह की 6 हजार मीटर ऊंची वर्जिन पीक

भोपाल। मध्य प्रदेश के ट्रांसजेंडर सौरव किट्टू टांक ने 6 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिमाचल प्रदेश की वर्जिन पीक फतह कर ली है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वो देश के पहली ट्रांसजेंडर हैं। उनकी इस उपलब्धि पर केंद्रीय खेल राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने दिल्ली में उनका सम्मान किया। किट्टू ने दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन इस माउंटेन पीक को फतह किया। किट्टू भारत के पहले ट्रांसजेंडर हैं जिन्होंने आईएमएफ (इंडियन माउंटेनिंग फेडरेशन) द्वारा परमिट माउंटेन एक्सपीडिशन में हिस्सा लिया। यह वर्जिन पीक हिमाचल प्रदेश की स्पिति वैली में है। यहां का औसतन तापमान माइनस 15 डिग्री सेल्सियस रहता है। रिजिजू ने उन्हें बधाई देने के साथ ही उनका सम्मान भी किया। किट्टू के साथ उनकी कोच मेघा परमार भी मौजूद थी। वर्जिन पीक खतरों से भरी है। यहां कभी भी बर्फ की बारिश होना आम बात है। इस पीक को फतह करना आपने आप में काफी बहादुरी का काम है। किट्टू पिछले छह महीनों से मेघा परमार और एसके प्रसाद के साथ ट्रेनिंग कर रहे थे।

अलीगढ़ में गैंगरेप, चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अलीगढ़ । हाथरस गैंगरेप कांड को लेकर देश भर में मची उथल-पुथल के बीच अब अलीगढ़ में एक दलित महिला से गैंगरेप की खबर आई है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामला अलीगढ़ के क्वार्सी थाना क्षेत्र के एक गांव का है। महिला की तहरीर पर थाने में उसी के गांव के चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उधर, पुलिस ने महिला को मेडिकल जांच के लिए महिला अस्पताल भेजा है। घटना की सूचना के बाद गांव में बवाल की आशंका को देखते हुए फोर्स तैनात कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचकर अनीता यादव, एएसपी और सीओ ने घटना के बारे में पूरी जानकारी ली।

हाथरस गैंगरेप केस: कांग्रेस नेता श्योराज जीवन का भड़काऊ वीडियो

वायरल-हाथ काटने, आंख निकालने की धमकी दी

हाथरस। हाथरस गैंगरेप कांड की आड़ में दंगा फैलाने की साजिश को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों के बीच कांग्रेस नेता श्योराज जीवन का एक भड़काऊ वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में श्योराज आरोपियों के हाथ काटने, आंख निकालने की धमकी देते नज़र आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक श्योराज जीवन के खिलाफ इस मामले में कार्यवाही हो सकती है। वीडियो में श्योराज कहते दिख रहे थे, आज हम बूलघड़ी गांव में बैठे हैं। इस गांव में एक बहादुर बेटी रहती थी। आरोपियों ने उसकी अस्मत लूटने का प्रयास किया। मैं अपने समाज से यह कहने आया हूं कि अपने को कमजोर मत समझना। हमारी बहनों की तरफ यदि किसी ने हाथ उठाया तो हम उसका हाथ काट देंगे। किसी ने गलत नज़र से देखा तो आंख निकाल लेंगे।

हाथरस गैंगरेप पीड़िता के परिवार को ट्रिपल लेयर सुरक्षा- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हाथरस गैंगरेप पीड़िता के परिवार की सुरक्षा कड़ी कर दी गई। परिवार के सभी

सदस्यों और घर के इर्द-गिर्द को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया जा रहा है। बुधवार को पीड़िता के घर के बाहर मेटल डिटेक्टर और कुछ स्थानों पर सीसी कैमरे लगाए गए। सीसी कैमरे लगाने के लिए अधिकारियों ने पीड़िता के परिवार से सहमति ली है। हाथरस के एसडीएम ने बताया कि परिवार को ट्रिपल लेयर सुरक्षा दी गई है, साथ ही आज मेटल डिटेक्टर लगाए जा रहे हैं और परिवार की सहमति के बाद कुछ जगह पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं।

ईडी जांच में दंगा भड़काने के लिए विदेशी फंडिंग का दावा- हाथरस कांड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में दंगा भड़काने के लिए मॉरिशस से 50 करोड़ की फंडिंग की गई है। इस खुलासे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम किसी की भी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। हम किसी के भरोसे के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं देंगे। सूत्रों के अनुसार ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि हाथरस कांड की आड़ में जातीय हिंसा फैलाने के लिए मॉरीशस से 50 करोड़ रुपए की फंडिंग की गई है। बताया जा रहा है कि इसके अलावा और भी फंडिंग की गई है जो 100 करोड़ से अधिक रुपए की थी। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है। ईडी के एक अधिकारी के मुताबिक, हाथरस की पुलिस ने एक वेबसाइट को लेकर केस दर्ज किया है। इसके बाद एजेंसी इसमें जांच का एंगल देखेगी। इस वेबसाइट के जरिए जस्टिस फॉर हाथरस के लिए मुहिम चलाई गई। सूत्रों का कहना है कि ऐसे में ईडी जल्द ही कई गिरफ्तारियां देखने को मिल सकती हैं। गौरतलब है कि यूपी के हाथरस में बीते 14 सितंबर को एक दलित युवती का गैंगरेप हुआ था, जिसके बाद दिल्ली में 29 सितंबर को उसकी मौत हो गई। मौत के बाद जिस तरह यूपी पुलिस ने युवती का अंतिम संस्कार अनन-फानन में रात के अंधेरे में ही कर दिया, उस पर काफी विवाद हुआ। राजनीतिक दलों से लेकर कई सामाजिक संगठनों ने यूपी सरकार पर सवाल खड़े किए।

कोरोना ने मजबूर किया तो संपत्ति में अपना हिस्सा मांगने लगीं बेटियां

कानपुर। कोरोना काल ने जहां कारोबार को बड़ी चोट दी वहीं परिवारों की आर्थिक स्थिति भी बिगाड़कर रख दी। ऐसे में बेटियां भी अपना शरई हक मांगने को मजबूर हो गईं। कानपुर की शरई कोर्ट (शरई पंचायत) में ऐसी 36 बेटियों ने मां-बाप की संपत्ति में अपना हिस्सा (तरका) मांगा है। शरीयत के मुताबिक मां-बाप की संपत्ति में बेटियों को बेटे से आधी संपत्ति मिलती है। अपने आप तरका देना फिलहाल आम चलन में नहीं आ सका है। महामारी के दौर में कहीं शौहर की नौकरी चली गई तो कहीं वेतन आधा हो गया। कहीं व्यापार पूरी तरह बैठ गया। ऐसे में बेटियों ने दबाव में या स्वतः पहले तो मां-बाप से उधार मांगा या मदद करने को कहा। जब बात नहीं बनी तो शरई कोर्ट की मदद लेना शुरू कर दिया। ऐसी चार शरई कोर्ट में यह मामले पेंडिंग हैं।

क्यों पेंडिंग हैं मामले- शहर की दारुल कजाओं में इन दिनों ठीक से सुनवाई नहीं हो पा रही है। जिन शरई कोर्ट में सुनवाई होनी थी वहां के कई जिम्मेदार बीमार चल रहे हैं। एक कोर्ट में चीफ काजी के इंतकाल के बाद नए सिरे से गठन किया गया है।

हाथरस कांड में ईडी का सनसनीखेज दावा, दंगा फैलाने को मॉरीशस से हुई 50 करोड़ की फंडिंग

लखनऊ। हाथरस कांड के बाद पनपे राजनीतिक माहौल के बीच अब स्थिति बदलती हुई दिख रही है। योगी सरकार ने आरोप लगाया है कि इस घटना की आड़ में प्रदेश में भड़काने की कोशिश हो रही थी, जिसके लिए वेबसाइट बनाकर और अन्य प्लेटफॉर्म के जरिए फंड इकट्ठा किया जा रहा था। अब जल्दी ही इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो गई है। सुत्रों के अनुसार ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि हाथरस कांड की आड़ में जातीय हिंसा फैलाने के लिए मॉरीशस से 50 करोड़ रुपए की फंडिंग की गई है। बताया जा रहा है कि इसके अलावा और भी फंडिंग की गई है जो 100 करोड़ से अधिक रुपए की थी। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है। ईडी के एक अधिकारी के मुताबिक, हाथरस की पुलिस ने एक वेबसाइट को लेकर केस दर्ज किया है। इसके बाद एजेंसी इसमें जांच का एंगल देखेगी। इस वेबसाइट के जरिए जस्टिस फॉर हाथरस के लिए मुहिम चलाई गई। सूत्रों का कहना है कि ऐसे में ईडी जल्द ही तहत इसमें मामला दर्ज कर फंडिंग पर जांच शुरू कर सकती है। साथ ही जल्द ही कई गिरफ्तारियां देखने को मिल सकती हैं।बता दें कि यूपी पुलिस का दावा है कि हाथरस को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत जानकारी फैलाई गई। जिसके कारण माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई और एक जाति से दूसरी जाति में लड़ाई करवाने की कोशिश की गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस मामले में एक्शन की बात कही थी, साथ ही विपक्ष पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया था।

हाथरस केस : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- हाथरस की आड़ में रची जा रही बड़ी साजिश, कामयाब नहीं होने देंगे

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हाथरस कांड के जरिये उत्तर प्रदेश में बड़ी साजिश रची जा रही थी। हम किसी भी तरह की साजिश को सफल नहीं होने देंगे। सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि हाथरस के मुद्दे पर राजनीति हो रही है। एक तरफ सरकार विकास के काम में लगी है, वहीं ये लोग षड्यंत्र रच रहे हैं। एक गरीब की लाश पर राजनीति करने वाले इन चेहरे को पहचाना होगा। देश के लिए और समाज के लिए कितनी विकृत सोच के साथ ये काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों के क्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के उन्नाव जिले में बांगरमऊ क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को वर्चुअल संवाद में विपक्ष के दुष्प्रचार को तर्कपूर्ण जवाब मजबूती से देने को कहा। सीएम योगी ने कहा कि आज भी कुछ लोग समाज को जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर विभाजित करते रहे हैं, वे आज भी इसी कार्य में लिप्त हैं। वे प्रदेश में विकास कार्यों होते नहीं देख सकते, इसलिए नए-नए षड्यंत्र रच रहे हैं। किसी की मौत पर राजनीति करने वालों को पहचानना चाहिए।

उन्नाव जिले में बांगरमऊ क्षेत्र के मंडल, सेक्टर और बूथ के पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम मतदाताओं से गहन जनसंपर्क पर फोकस करने को कहा। उनका कहना था कि महामारी से बदले परिदृश्य में यही जीत की कुंजी है। सीएम योगी ने संपर्क के दौरान संक्रमण बचाव के उपायों का सख्ती से पालन करने की सलाह भी दी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष झूठा व भ्रामक दुष्प्रचार करने में जुटा है। ऐसे में विपक्ष की पोल खोलने के साथ केंद्र और प्रदेश सरकारों की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि झूठे नारों पर जाति, क्षेत्र, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने वाले लोग आज भी अपनी विभाजनकारी मानसिकता से बाज नहीं आ रहे हैं। विकास उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है। लोक कल्याण उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है। शासन की योजनाएं अच्छी नहीं लग रही हैं, यही कारण है षडयंत्र पर षड्यंत्र रच रहे हैं। रोज नए षड्यंत्र को जन्म देते हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी नमूनों की साजिश और कृत्य जनता के सामने आ रहे हैं। कोई कहता है कि हम

दंगा कराएंगे, जाति के आधार पर, कुछ और उधर से मरेंगे, कुछ लोग इधर से मरेंगे। हमारे नेता आएंगे, उसके बाद जाकर राजनीति करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। सभी साजिशकर्ता बेनकाब होंगे। उन्होंने कहा कि सजिश करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी करेंगे। जो लोग समाज के माहौल को खराब करके समाज में जातीय द्वेष पैदा करके, अराजकता पैदा करके विकास कार्य अवरुद्ध करना चाहते हैं, लेकिन विकास अवरुद्ध नहीं होगा। उत्तर प्रदेश तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। ये लोग विकास पर चर्चा नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है और राजनीति सेवा का जरिया। विपक्ष के लिए राजनीति दुकानदारी है। अपनी दुकान चलाने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। सीएए के विरोध से लेकर हाल की कुछ घटनाएं इसका सबूत हैं। वह हर चीज को जाति, संप्रदाय, मजहब और क्षेत्र के चश्मे से देखते हैं। समाज को बांटकर अपना वोट बैंक बनाए रखने के लिए ये कोई भी हथकंडा अपना सकते हैं, पर इनके मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि विकास में बाधक ताकतों को बेनकाब करें। आप जिस विचारधारा से हैं, आप जिस नेतृत्व से प्रेरणा और मार्गदर्शन पाते हैं, उसकी विपक्ष से कोई तुलना नहीं है। आपकी ताकत और एकजुटता के नाते आपकी जीत सुनिश्चत है। कार्यक्रम के शुरू में क्षेत्रीय अध्यक्ष शेषनारायण मिश्र ने स्वागत किया। कार्यक्रम में सरकार के मंत्री महेंद्र सिंह, प्रदेश मंत्री शंकरलाल लोधी, सांसद साक्षी महराज, एमएलसी अरुण पाठक और जिलाध्यक्ष राजकिशोर रावत समेत बूथ, सेक्टर औपर मंडल के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

संपादकीय

खूब परदा है

हाथरस के जिलाधिकारी का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वे लड़की के परिजनों पर दबाव बनाते सुने गए। फिर बताया गया कि लड़की के साथ बलात्कार हुआ ही नहीं था। अगर सरकार सचमुच लड़की को इंसाफ दिलाने और अपराधियों पर नकेल कसने को लेकर गंभीर होती तो, इस तरह पुलिस का घेरा बना कर लोगों की आवाज दबाने का प्रयास करने के बजाय असलियत उजागर करती। हाथरस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने सीबीआइ जांच की सिफारिश भले कर दी हो, लेकिन हर मामले में उसने जिस तरह का रवैया अपनाया, उससे उसकी फजीहत बढ़ती जा रही है। वह एक के बाद एक नासमझी भरे फैसले करती रही। पहले तो पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट लिखने में देर की, फिर उसकी जांच में करीब हफ्ता भर विलंब हुआ। जब उसकी हालत बिगड़ी और उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया और अंततः उसने दम तोड़ दिया, तो चुपके से उसकी लाश को जला दिया गया। फिर पीड़िता के गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया। वहां मीडिया को भी नहीं जाने दिया गया। कुछ दलित नेताओं को उनके घर में नजरबंद कर दिया गया। किसी भी राजनीतिक दल के नेता को पीड़िता के परिजनों से मिल कर संवेदना तक व्यक्त नहीं करने दिया गया। एक दिन राहुल और प्रियंका गांधी हाथरस पहुंचने का प्रयास करते रहे, पर उन्हें उत्तर प्रदेश की सीमा पर ही रोक दिया गया। यह अलग बात है कि दूसरी बार जब वे गए तो उन्हें पीड़ित परिवार से मिलने दिया गया। पर सरकार के इस तरह के रुख से यही जाहिर होता है कि कुछ तो है जिसे वह छिपाना चाहती है। आखिर विपक्षी दलों को इस तरह रोक कर उसने उन्हें सुर्खी बटोरने का ही मौका दिया। उत्तर प्रदेश सरकार को डर सताता रहा कि अगर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और मीडिया को हाथरस में पीड़ित परिवार से मिलने दिया गया तो बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है। दरअसल, शुरू में ही जिस तरह भीम आर्मी के नेता चंद्रशेखर ने इस घटना को लेकर आंदोलन छेड़ दिया, उससे सरकार की घबराहट बढ़ गई। उसी के चलते शायद एक के बाद एक प्रशासन गलत कदम उठाता रहा। हाथरस के जिलाधिकारी का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वे लड़की के परिजनों पर दबाव बनाते सुने गए। फिर बताया गया कि लड़की के साथ बलात्कार हुआ ही नहीं था। अगर सरकार सचमुच लड़की को इंसाफ दिलाने और अपराधियों पर नकेल कसने को लेकर गंभीर होती तो, इस तरह पुलिस का घेरा बना कर लोगों की आवाज दबाने का प्रयास करने के बजाय असलियत उजागर करती। मगर इस वक्त उसका सारा जोर विपक्ष से निपटने पर केंद्रित दिखाई दे रहा है। वह यह भी भूल गई है कि लोकतंत्र में विपक्षी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों को असहमति व्यक्त करने का अधिकार होता है। उन्हें इस तरह सशस्त्र बलों के जरिए रोकना एक तरह से लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अनेक मौकों पर दावा कर चुके हैं कि राज्य में अपराधियों की कोई जगह नहीं होगी। महिलाओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। मगर हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश में बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ती गई हैं। शायद ही कोई महीना गुजरता हो, जिसमें कहीं कोई बलात्कार की घटना न घटती हो। इनमें से ज्यादातर में पीड़िता की हत्या कर दी जाती है। अपराधी ऐसा इसलिए करते हैं कि उनके खिलाफ कोई सबूत न बचे। हाथरस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने भी वही किया।

डिजिटल युग और ग्रामीण विकास

सतीश सिंह

आज देश में इंटरनेट पहुंच के अभाव के अलावा भी दूसरों कारणों से लोग आनलाइन सेवाओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। स्मार्टफोन की कमी, देश के दूर-दराज इलाकों में मोबाइल टावर नहीं होना, देश में ब्रांडबैंड की सीमित उपलब्धता आदि ऐसे कारण हैं। ऐसे में देश में शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण के सपने को मूर्त रूप देना कहीं ज्यादा चुनौती भरा है। वर्ष 2011 में राष्ट्रीय आप्टिकल फाइबर नेटवर्क (एनओएफएन) के रूप में शुरू की गई योजना को वर्ष 2014 में भारतनेट के नाम से पहचान मिली थी। लेकिन इस योजना को मूर्त रूप नहीं दिया जा सका। हालांकि इस योजना को सफल बनाने के लिए दूरसंचार मंत्रालय ने भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क (बीबीएनएल) नाम से एक कंपनी वर्ष 2012 में बनाई थी।

इस कंपनी का काम भारतनेट योजना के प्रबंधन, स्थापना और परिचालन का काम देखना था। उस समय इस योजना का लक्ष्य था देशभर की ढाई लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतों को एक-दूसरे से जोड़ना। अब सरकार इस योजना का विस्तार करके ग्रामीणों को सशक्त बनाना चाहती है। बीते 15 अगस्त को राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने छह लाख गांवों को एक हजार दिनों के भीतर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ने की बात कही थी। इसका यह अर्थ हुआ कि इस अवधि में आप्टिकल फाइबर के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड की पहुंच मुहैया कराई जाएगी। इसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत को कम से कम एक सौ मेगाबाइट प्रति सेकंड का बैंडविड्थ उपलब्ध कराया जाएगा।

ऐसा करने से हर पंचायत में आनलाइन सेवाओं को शुरू करना आसान हो जाएगा। गांवों को आप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ने का सबसे बड़ा फायदा तो यह होगा कि प्रत्येक ग्रामीण की ई-शासन, ई-कॉमर्स, ई-शिक्षा, ई-बैंकिंग, ई-स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बनने लगेगी। इस योजना की मदद से एक देश, एक राशन कार्ड योजना को भी लागू किया जा सकेगा। आज ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध है। इसलिए इस योजना को अमलीजामा पहनाना आसान है। कोरोना महामारी के कारण शिक्षा की दशा और दिशा दोनों में आमूलचूल बदलाव आया है। गांवों के बच्चे भी आज आनलाइन शिक्षा हासिल कर रहे हैं। कोरोना महामारी से मुक्ति के बाद गांवों के स्कूलों में आप्टिकल फाइबर नेटवर्क की मदद से स्मार्ट कक्षाएं शुरू की जा सकती हैं।

आप्टिकल फाइबर नेटवर्क योजना के दूसरे चरण को अमलीजामा पहनाने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस साल जनवरी में सिफारिश की थी। इस योजना का कुल बजट 42,068 करोड़ रुपए का है, जिसमें से 18,792 करोड़ रुपए को दूसरे चरण में खर्च किया जाएगा। फिलहाल आठ राज्यों ने इस योजना को अपने यहां लागू करने का फैसला किया है, जबकि जटिल भौगोलिक क्षेत्रों वाले राज्य अपने यहां उपग्रह-आधारित मॉडल को लागू करेंगे। एनओएफएन पैनल की वर्ष 2015 में आई रिपोर्ट के आधार पर दूसरे चरण की योजना बनाई गई थी, जिसे सरकार, निजी क्षेत्र और सार्वजनिक उपक्रम मिल कर मूर्त रूप देंगे।

इसमें लोगों को इंटरनेट से जोड़ने से लिए आप्टिकल फाइबर, रेडियो और उपग्रह जैसे माध्यमों का इस्तेमाल किया जाए। इसके अलावा अंतिम चरण की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वाई-फाई तकनीक का सहारा लिया जाएगा, ताकि घर, दफ्तर हर जगह इंटरनेट की सुविधा सुचारू रूप से मिलती रहे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि एनओएफएन योजना को मूर्त रूप देने से डेटा की मांग बढ़ेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों के विकास में भी सहायता मिलेगी होगी, क्योंकि इससे किसानों और उद्योग मालिकों के बीच संपर्क आसान हो जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक अगले दो-तीन साल में डेटा खपत में काफी उछाल आ सकता है। कोरोना महामारी के दौर में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा की खपत दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है। बढ़त का यह दौर आगे भी कायम रहने वाला है। वर्ष 2025 तक भारत का कुल डेटा उपभोग दोगुना होने और डेटा का प्रति उपभोक्ता मासिक उपभोग 25 जीबी तक पहुंचने का अनुमान है।

डिजिटलीकरण की तरफ ग्रामीणों का रुझान बढ़ने से वे अपने कारोबार को बढ़ा सकेंगे। ग्रामीण भारत के सूचना एवं शिक्षा संपन्न होने से ग्रामीणों के लिए रोजगार एवं उद्यमशीलता के अधिक अवसर पैदा होंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि का रास्ता खुल सकेगा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल मई तक देश भर में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 68.37 करोड़ पहुंच चुकी थी। सरकारी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) समेत पांच बड़े सेवा प्रदाताओं का बाजार के 98.93 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा है। भारत के पास आप्टिकल फाइबर के विनिर्माण की पर्याप्त घरेलू क्षमता भी है, लेकिन भारतीय कंपनियां 4जी उपकरणों के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भर हैं।

हालांकि, भारतीय कंपनियों को भरोसा है कि वे आगामी दो साल में 4जी उपकरणों के उत्पादन की क्षमता को हासिल कर सकते हैं। आज देश में इंटरनेट पहुंच के अभाव के अलावा भी दूसरों कारणों से लोग आनलाइन सेवाओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। स्मार्टफोन की कमी, देश के दूर-दराज इलाकों में मोबाइल टावर नहीं होना, देश में ब्रांडबैंड की सीमित उपलब्धता आदि ऐसे कारण हैं। ऐसे में देश में शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण के सपने को मूर्त रूप देना कहीं ज्यादा चुनौतीभरा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था मैरी मीकर ने इंटरनेट के इस्तेमाल पर 2019 में एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके अनुसार भारत में चीन के बाद सबसे अधिक इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाता है। अमेरिका इस मामले में तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में लगभग 3.8 अरब लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस साल के अप्रैल के आंकड़ों के अनुसार चीन में पिच्यासी करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता हैं, जबकि अमेरिका में यह संख्या लगभग तीस करोड़ है। आनलाइन बाजार का इस्तेमाल करने के मामले में भी भारत का स्थान दूसरा है। पहले स्थान पर चीन काबिज है। यह स्थिति तब है, जब भारत में इंटरनेट की पहुंच मात्र चालीस प्रतिशत आबादी के बीच है। चीन में इंटरनेट की पहुंच इकसठ प्रतिशत आबादी के बीच है, जबकि अमेरिका में यह अट्ठासी प्रतिशत है। भारत के महानगरों में इंटरनेट की पहुंच पैंसठ प्रतिशत आबादी के बीच है, जबकि इंटरनेट के सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या कुल आबादी का लगभग तैंतीस प्रतिशत ही है। सक्रिय इंटरनेट उपभोक्ता उसे कहते हैं, जो एक महीने में कम से कम एक बार इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक संदर्भ में देखें तो दुनिया में इंटरनेट के कुल उपभोक्ताओं में भारत की हिस्सेदारी बारह प्रतिशत है, जिसका एक बड़ा कारण निजी कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को पहले मुफ्त और बाद में सस्ती दर पर मोबाइल डेटा उपलब्ध कराना रहा है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया एंड नीलसन द्वारा नवंबर 2019 में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग तेईस करोड़ इंटरनेट के सक्रिय उपभोक्ता थे, जबकि शहरों में इंटरनेट के सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या इक्कीस करोड़ है। भारत की कुल आबादी के मुकाबले इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। लेकिन बिगत पांच वर्षों से इस संख्या में तेजी आ रही है।

इसका कारण चीन की मोबाइल कंपनियों का भारतीय बाजार पर कब्जा और कम कीमत पर स्मार्टफोन बेचना है। फिर भी, गरीबी और निरक्षरता की वजह से भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। दिसंबर 2019 के अंत तक भारत में लगभग पचास करोड़ लोगों के पास स्मार्टफोन था, लेकिन इनमें से कुछ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कभी-कभार या कभी भी नहीं कर रहे थे। बदले परिवेश में डिजिटलीकरण समय की मांग है।

कोरोना महामारी ने डिजिटलीकरण की महत्ता को अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाया है। आज लोग बैंकिंग लेनदेन, खरीददारी, डॉक्टर से सलाह-मशविरा आदि वीडियो काल के जरिए कर रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों को आप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ने की योजना अगर कामयाब होती है तो ग्रामीण क्षेत्र में विकास के दरवाजे पूरी तरह से खुल जाएंगे।

पाप-बोध

मनुष्य को जब जीवन में
परब्रह्म से साक्षात्कार हो जाता है
पश्चाताप की अग्नि में जलकर
अहंकार जब मिट जाता है,
उस क्षण जीवन से मानव
ग्लानि मुक्त हो जाता है।।
ठहरे पानी जैसा उसका
जब शांत चित हो जाता है,
मैला मन निर्मल हो जाए
प्रभु शरण जब जाता है,
अंतर्मन की पीड़ा ना होए
जब पाप बोध से मुक्त हो जाता है।।
मुक्ति का मार्ग यही बस
सत्कर्म का पालन करना
प्रभु शरण मैं जाकर साईं
आओ सबका सम्मान करे
इस छोटे से जीवन को
हर पाप -बोध (ग्लानि) से मुक्त करे।
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा ! !

प्रतिभा दुबे अभिलाषी
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

क्या हमारे देश में न्याय पाने के लिए मरना जरूरी है?

हमारे देश में किसी भी बेटी को न्याय पाने के लिए पहले मरना क्यों पड़ता है? पहले यह साबित करना क्यों जरूरी है कि उसके साथ गैंगरेप हुआ है या उसके साथ बलात्कार हुआ है। यदि केवल उसके साथ अत्याचार हुआ हो तो पुलिस मीडिया और सरकार उसे गंभीरता से क्यों नहीं लेते? हाथरस की घटना ने अमानवीयता की सारी हदें पार कर दी हैं। इस घटना ने एक बार फिर महिलाओं के प्रति हमारे समाज की सोच को उजागर कर दिया है। इस हत्याकांड में हाथरस की 19 वर्ष की एक बेटी के साथ जिस प्रकार से हिंसा कर उसे इतनी बेरहमी से मारा-पीटा गया और उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी गई और कुछ दिनों के बाद

उसकी मृत्यु हो गई, यह घटना पूरे समाज के लिए बहुत ही शर्मनाक है। जिस खेत में उसका बचपन बीता, वह खेल-कूद कर बड़ी हुई, वहीं उसे हवस और हिंसा का शिकार बना दिया गया। 19 वर्ष की इस बेटी के साथ जो कुछ भी हुआ, उसको सोच कर ही रूह कांप जाती है। उसे इतनी बेरहमी से मारा-पीटा कि उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई और कुछ दिनों के बाद उसकी मृत्यु हो गई। रात को 2-30 बजे चुपचाप उसे जला दिया जाता है। जिस खेत में उस बेटी का बचपन बीता था, वहीं उसकी चिता जला दी गई। यह सब हमारे सिस्टम की लापरवाही और नाकामी की ओर इशारा करता है। जिस देश में बेटियों के साथ ऐसा दुष्कर्म और अत्याचार हो रहा है, उस देश का भविष्य क्या होगा? ऐसा लगता है मानो नैतिकता और मानवीय संस्कारों का घोर पतन हो चुका है और अब चारों ओर केवल पाशविकता और अमानवीयता का बोलबाला है। इस घटना ने हमारे समाज और सिस्टम की सच्चाई को उजागर कर के रख दिया है?। आज का समाज और सिस्टम पूरी तरह मृत हो चुका है। हमारे सिस्टम में महिलाओं को न्याय देने के लिए क्या दो शर्तें निर्धारित कर दी गई हैं?पहली शर्त यह कि महिला के साथ दरिंदगी के साथ गैंगरेप होना चाहिए और दूसरी शर्त ये कि उसकी मौत हो जानी चाहिए। तभी उसे न्याय मिलेगा। देश के लोगों का गुस्सा तब सामने आता है जब उसकी मृत्यु हो जाती है, तभी मीडिया रिपोर्टिंग करता है, तभी हमारे देश के नेता और पुलिस जागते हैं। जब-जब ऐसी घटनाएं होती हैं कुछ दिनों के लिए पूरे देश में जागरूकता आ जाती है। लोग न्याय मांगने के लिए सड़क पर उतर आते हैं। जब तक अत्याचार होता रहता है पूरा समाज सोता रहता है। हाथरस में भी इस लड़की को न्याय दिलाने की मुहिम तब जाकर शुरू हुई जब गंभीर चोटों की वजह से इस लड़की की मौत हो गई। जब तक यह लड़की जिंदा रही, तब तक न पुलिस जागी,न मीडिया और न ही नेता और बुद्धिजीवी जागे। जैसे ही लड़की की मृत्यु हो गई, तुरंत पूरा सिस्टम एक्टिव हो गया। इससे एक बात तो साबित होती है कि न्याय पाने के लिए मरना जरूरी है। जो लोग जिंदा रहते हैं उन्हें न्याय नहीं मिल पाता। कुछ लोग इस मामले को इस बहस में उलझा रहे हैं कि 19 वर्ष की इस लड़की के साथ गैंगरेप हुआ था या नहीं। इस बात से क्या फर्क पड़ता है कि उस लड़की के साथ गैंगरेप हुआ था कि नहीं, उसके साथ अत्याचार तो हुआ ही था। बहस इस बात पर होनी चाहिए कि न्याय पाने के लिए यह क्यों साबित करना पड़ता है कि गैंगरेप हुआ है और मरने के बाद ही न्याय क्यों मिलता है?

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश

बलात्कार पर सियासत क्यों

बलात्कार यह एक ऐसा जघन्य अपराध है जिसमें पीड़िता या तो मर जाती है या फिर कुछ पीड़िताऐ जीवित रह भी जाती हैं तो वह एक जिंदा लाश बन कर अपना जीवन व्यतीत करती है द्य भारत में यह अपराध आए दिन अपना पैर ऐसे पसार रहा है जैसे कि यह अपराध नहीं एक कार्यक्रम है एक कड़ी है जो जुड़ते जा रही है द्यऔर ऐसा हो भी क्यों नहीं भारत में बलात्कार पर भी सियासत का खेल जो खेला जा रहा है यहां लोग बलात्कारियों को सजा दिलवाने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह समझते हैं कि किस राज्य में किसकी सरकार है? किस सरकार के राज में यह कुकर्म हुआ है? जुर्म का हरेक क्षेत्र सियासत का मुद्दा बने ना बने पर बलात्कार का मुद्दा जरूर सियासती मुद्दा बन जाता है द्य हमारे देश की कानून की ऐसी विडंबना है कि बलात्कार हुआ है यह साबित करने में दो-चार दिन से महीनों तक लग जाते हैं द्य फिर जब जुर्म साबित हो जाता है तो किसकी सरकार थी इस पर खेल शुरू होता है द्य और इस दौरान पीड़िता को इंसाफ मिलने के बजाय उसका इंसाफ के नाम पर कई बार बलात्कार होता रहता है द्य जिसकी रूह तक जख्मी हो गई हो द्य उसको बार-बार बलात्कार का याद दिला कर और उसकी बची हुई आत्मविश्वास को भी मार दिया जाता है द्य हमारे समाज का भी इस जघन्य अपराध को खत्म करने में कोई खास सहयोग नहीं मिलता द्य समाज भी बलात्कार के मामले में पहले लड़की को दोष फिर सरकार को दोष देने में लग जाते हैं द्य कोई भी पीड़िता के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करता है बस उस पीड़िता के नाम पर सियासत के तवे पर अपनी रोटियां सेकने में लग जाते हैं द्य यहां कुछ लोग हैं जो कैंडल मार्च या फिर कुछ आक्रोश जाहिर करते हैं पर इन कैंडल मार्च से कुछ होना नहीं है द्य जब तक एकजुट होकर हम सब मिलकर काम नहीं करेंगे तब तक बलात्कार को खत्म नहीं किया जा सकता है द्य मेरा मानना है कि जब बलात्कार जैसे घिनौने अपराध को हम सियासत का खेल नहीं समझेंगे और अपराधियों को सजा दिलवाने में एकजुटता नहीं दिखाएंगे तब तक यह अपराध कम नहीं होने वाला है एकजुटता से तो हमने आजादी है भी हासिल कर ली फिर यह बलात्कार क्या चीज है ? बलात्कार के खिलाफ इस मूलमंत्र को जब हम अपना लेंगे तो बलात्कार के अपराध को कम करने में हम जरूर कामयाब होंगे

सियासत का खेल खत्म करें
दोषियों के खिलाफ मिलकर लडे
अपनी एकजुटता दिखाएं
बलात्कारियों को सजा दिलवाये
बबली कुमारी
डेहरी ऑन सोन रोहतास (बिहार)

पुरोहित के मुक्तक

खुली किताब सी है मेरी जिन्दगी
उन्मुक्त उड़ान सी है मेरी जिन्दगी
यूँ ही गुजरती है देखो जिन्दगी
कभी हँसी तो कभी गम में है जिन्दगी
बेटियों को बचाने का जतन कीजिए
जो कर रहे दरिन्दगी उनको सजा दीजिए
वक़्त नहीं सोचने का रहा अभी दोस्तों
वक़्त रहते दोषियों को सजा दीजिए
सादगी देख कर मेरी,वो कायल हो गए।
समझो प्रेम में मेरे,वो घायल हो गए।।
बात इतनी सी थी मगर, कैसे कहें दिल से।
ढाई आखर प्यार में,वो पागल हो गए।।
ढाई आखर में छिपा, जीवन का सब राज।
जिस जिस ने इसको पढ़ा, सफल हुए सब काज।।
इसीलिए करते रहो, सरल जगत में काम।
फिर देखो कैसे बजे, दिल में सारे साज।।
काम क्रोध वश में करें, मन को रोके रोज।
ऐसे ही करते रहें, जीवन में नित खोज।।
भीतर ही सबको मिला,जीवन में रस होय।
करनी ऐसी कर चलो, सोच सके तो सोच।।
सागर से गहरी रही, ममता की ये छाँव।
सदा लाड़ दुलार करे, खोजती रहती ठाँव।।
मेहनत करती ये सदा, छाले पड़ते पाँव।
ममता का सुख है यही, देखो जाकर गाँव।।

डॉ. राजेश पुरोहित
भवानीमंडी

प्रधानमंत्री ग्रामीड आवास योजना के तहत भटक रहे है ग्राम वासी और अधिकारियों की बजे से झोपड़ीयो में रहने को मजबूर है ग्रामीण

पुष्पांजली टुडे न्यूज़
राहुल कुमार जिला रिपोर्टर

आगरा। तहसील खेरागढ़ के गांव अएला के मौजा धाना में एक गरीब मजदुर रहता है जो कि आवास हेतु पात्र है और उसका पात्रता सूची में 13 नंबर पर गीतादेवी पत्नी भागीरथ के नाम से आवास हेतु नाम था परंतु आपसी रंजिश के कारण किसी ने उनका नाम ग्राम पंचायत अधिकारी रामेस्वर प्रसाद तिवारी से मिलकर कटवा किया ग्राम पंचायत अधिकारी ने विना जाँच के ही नाम काट दिया है ओर गरीब प्राथी भटक रहा है माननीय सांसद जी के द्वारा एक पत्र (बी डीओ)खेरागढ़ के नाम लिखा जिस में संसद जी ने जाँच कर के गरीब पात्र को आवास सूची में नाम जोड़ा जाये।

रिहाई

कोई उन से
जा कर कह दे
कि ऐ दोस्त,
अपने साथ को
तुम मेरी
मजबूरी
बनाने की
हर्गिज़
कोशिश न करो
क्योंकि ये कोई
ऐसी जंज़ीर नहीं
जो मुझे बाँध सके
हम तो खुद ही
तेरे स्नेह और
प्यार के नाजुक
पर बेहद मजबूत
धागों से कुछ
इस क़दर बंध
कर गिरफ़्तार
हो चुके हैं कि
इस क़ैद से
अब किसी भी
सूरत में रिहाई
भी नहीं चाहते।

नीलोफ़र (नीलू)
देहरादून

अर्थव्यवस्था सुधारने का रोडमैप

वित्त मंत्रालय ने बताया है कि सितंबर महीने में 95,480 करोड़ रुपये वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में जमा किए गए हैं, जो मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक किसी एक महीने में किया गया सबसे अधिक जीएसटी कलेक्शन है। इतना ही नहीं, मंत्रालय का यह भी कहना है कि यह राशि पिछले साल के सितंबर महीने के जीएसटी संग्रह से लगभग चार प्रतिशत अधिक है। इसका अर्थ है कि हमारी अर्थव्यवस्था सुधार की राह पर है और तेजी से आगे बढ़ चली है। मगर यह सुधार किस रूप में आगे बढ़ रहा है, इस पर विचार आवश्यक है। यह सही है कि अर्थव्यवस्था जैसे-जैसे खुलेगी और अनलॉक की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा, कारोबार बढ़ेगा और कर-संग्रह में भी तेजी आएगी। मगर जनवरी, 2020 वाली स्थिति में पहुंचने के लिए अब भी काफी कुछ करने की जरूरत है। सरकार ने यह साफ नहीं किया है कि जीएसटी संग्रह का यह आंकड़ा शुद्ध लाभ है या नहीं? असल में, कारोबारी जब जीएसटी जमा करते हैं, तो उन्हें इनपुट क्रेडिट दिया जाता है और बाद में बतौर रिफंड उन्हें कुछ राशि वापस की जाती है। मगर इस बार सुनने में यही आ रहा है कि सरकार रिफंड नहीं कर रही है। यही नहीं, पुराने मामलों में भी कारोबारियों को जीएसटी देने के लिए बाध्य किया जा रहा है। जीएसटी संग्रह पर भ्रम इसलिए अधिक है, क्योंकि रेस्तरां, विमानन उद्योग, रेल जैसे सेवा क्षेत्र महज 30-40 फीसदी क्षमता के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कोरोना संक्रमण काल से पहले रेलवे हर दिन 14,000 पैसेंजर ट्रेनें चलाया करता था, लेकिन आज सिर्फ 400-500 ट्रेनें ही रोजाना चल रही हैं। इसी तरह, हवाई सेवा से भी पूर्व की तुलना में महज 30-40 फीसदी यात्री ही यात्रा कर रहे हैं। मेट्रो का भी यही हाल है, जहां सोशल डिस्टेंसिंग की वजह से यात्रियों की संख्या सीमित की जा रही है। यानी, जब सेवा क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता में काम नहीं कर रहे हैं, तब पिछले साल के सितंबर के मुकाबले भला कैसे जीएसटी संग्रह ज्यादा हो सकता है, जबकि अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक करीब करीब 55 फीसदी है? जाहिर है, अनलॉक की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की वजह से जीएसटी संग्रह में तेजी आई है, लेकिन गिरावट अब भी कायम है, खासकर असंगठित क्षेत्र में। गांवों में मजदूर तो बढ़ गए हैं, लेकिन मांग नहीं होने के कारण कई हाथ बेरोजगार हैं। फिर, संगठित क्षेत्र में भी तस्वीर बहुत सुखद नहीं है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी, यानी सीएमआईई के मुताबिक, लॉकडाउन के दौरान देश के संगठित क्षेत्र में लगभग दो करोड़ लोगों की नौकरी गई है, जिनमें से लगभग 50 लाख पेशेवर हैं। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र में भी लोगों की आमदनी कम हुई है। अभी हमारा आयात भी काफी कम हो गया है, जिसकी वजह से ट्रेड अकाउंट में सरप्लस, यानी अधिशेष दिख रहा है। आयात कम होने का अर्थ है कि देश में उत्पादन कम हो रहा है। कोर सेक्टर में भी गिरावट है। इन सारे संकेतों का यही मतलब है कि विकास दर समग्रता में कम ही है। हां, ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में उछाल लाजिम है, क्योंकि कोरोना संक्रमण की वजह से निजी गाड़ियों की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा है। इस सूरतेहाल में सवाल यह है कि हमारी अर्थव्यवस्था कैसे पटरी पर लौटे? इसके लिए जाहिर तौर पर मांग का बढ़ना जरूरी है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में आई तेजी से यह बात समझी जा सकती है। अभी हाल-फिलहाल बेरोजगार हुए हाथ जहां तंग हैं, वहीं वेतनभोगी तबका भी कम खर्च कर रहा है, क्योंकि उस पर नौकरी जाने की तलवार लटकी हुई है। यह वर्ग अपनी बचत बढ़ाने में जुटा है। ऐसे में, बेहतर यही होगा कि सबसे पहले बेरोजगारों को रोजगार दिया जाए, और इसके लिए ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से बेहतर फिलहाल कोई माध्यम नहीं दिखता। ग्रामीण क्षेत्र में अभी मनरेगा योजना के तहत 100 दिनों का काम मिल रहा है, मगर इससे पांच व्यक्तियों का एक परिवार पालना मुश्किल है, क्योंकि इन मजदूरों के पास फिलहाल कोई दूसरा काम नहीं है। इसीलिए इसके तहत अब 200 दिनों का काम मिलना चाहिए।

मुक्तक रचना (अध्यापिका)

1 लगती कड़क भावों से हो तुम,
बच्चों के लिए ज्यों, स्नेह सागर तुम ।
ज्ञान और अनुभव का सुखद पिटारा,
बरसती, बिखरती बरखा-धूप सी तुम ।
2
वक्त कठिन पर पूरे सामन्जस्य में तुम,
ऑनलाइन पढ़ाती डगमगाती न तुम,
दिनभर स्टडी मटेरियल बनाती हो रहती,
दूर रहकर भी चिंता जताती हो तुम ।
3
सहर्ष करती हो घर-बाहर के काम,
ज़िम्मेदार हो तुम नहीं नादान,
कमर और गले में कॉलर पहनकर,
कम्प्यूटर पर घंटों देती हो ज्ञान।
4-होमवर्क की याद दिलाती हो तुम,
सपने में भी आ जाती हो तुम,
हे शक्तिस्वरूपा ! है नमन तुम्हें,
कितनों के जीवन महकाती हो तुम ।

भावना अरोड़ा 'मिलन'
शिक्षिका, लेखिका
कालकाजी, नई दिल्ली

अभिनेत्री राधिका मदान बोली-

शाहरुख, विद्या बालन और सुशांत से मुझे मिली फिल्मों में आने की प्रेरणा

बॉलीवुड की नवोदित अभिनेत्री राधिका मदान ने अपने फिल्मी संघर्ष को बयां करते हुए बताया कि उन्होंने सुपरस्टार शाहरुख खान से फिल्मों में आने की प्रेरणा ली। राधिका टेलीविजन इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना चेहरा थीं, जब उन्होंने फिल्मों का रुख किया। उन्हें टेलीविजन शो 'मेरी आशिकी तुम से ही' में देखा गया था और उन्होंने रियलिटी डांस शो 'झलक दिखला जा 8' में भी भाग लिया था।

2018 में, उन्होंने विशाल भारद्वाज की 'पटाखा' के साथ बॉलीवुड में आगाज किया और पीछे मुड़कर नहीं देखा। राधिका ने बताया, मैं टीवी में जाना-पहचाना चेहरा थी, लेकिन मुझे बॉलीवुड में अपनी यात्रा शून्य से शुरू करनी पड़ी। ऐसा नहीं था कि मुझे तुरंत भूमिकाएं मिल गईं। मुझे कई ऑडिशन देने पड़े थे। यहां तक कि मैंने अपने बारे में कई नकारात्मक टिप्पणियां सुनीं। लेकिन उन टिप्पणियों ने मुझे आगे बढ़ने से नहीं रोका। मैंने अपने सपनों पर भरोसा किया। राधिका ने कहा, मैं खुद से कहती थी कि अगर शाहरुख (खान) सर या विद्या (बालन) मैम या सुशांत (सिंह राजपूत) फिल्मों में अपनी पहचान बना सकते हैं, तो मैं भी कर सकती हूं। उनकी यात्रा ने मुझे बहुत प्रेरित किया। ये सभी टेलीविजन बैकग्राउंड से फिल्मों में आएं। मुझे लगता है कि माध्यम कोई मायने नहीं रखता। जो बात मायने रखती है वो है लगन और कड़ी मेहनत।

राजनीति में आने की कोई रुचि नहीं

सोनू सूद

प्रवासी मजदूरों के लिए रियल हीरो बने सोनू सूद

लॉकडाउन के दौरान किए जा रहे परोपकारी कार्यों से अभिनेता सोनू सूद काफी सुर्खियों में रहे हैं। उन्होंने लॉकडाउन के शुरुआती दौर में प्रवासी श्रमिकों को अपने मूल स्थान तक पहुंचाने के लिए परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई थी। हालांकि अभिनेता ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी राजनीति में प्रवेश करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा,एक अभिनेता के रूप में मेरे हाथ भरे हुए हैं।

इसके अलावा मैं बहुत से चैरिटी का काम कर रहा हूं, जिसमें बहुत ध्यान और समय लगता है। इसकारण ,अभी राजनीति की जगह कहीं नहीं है। बेशक, मुझे इसकी जानकारी नहीं है कि आज से 10 साल बाद नियति ने मेरे लिए क्या लिखा है।अभिनेता के मन में प्रवासियों के लिए परिवहन की व्यवस्था करने का विचार तब आया, जब वह लॉकडाउन के दौरान कुछ दिनों तक प्रवासियों को भोजन के पैकेट वितरित कर रहे थे। भोजन बांटने के दौरान वह बच्चों वाले एक परिवार से मिले, जो 10 दिनों के लिए भोजन चाहते थे, क्योंकि वे सभी मूल निवास स्थान बेंगलुरु के लिए निकले हुए थे, तब सूद ने उन्हें बताया कि वह परिवहन के लिए अनुमति प्राप्त करने की कोशिश करेंगे, ताकि उन्हें चल कर इतनी दूर न जाना पड़े।

हर दिन सैकड़ों लोगों को अपने घरों तक वापस भेजने की व्यवस्था करने में कामयाब रहे सोनू ने कहा, मैं उस समय 350 लोगों को भेजने का प्रबंधन कर सकता था। वह ट्रिगर पॉइंट था। मुझे एहसास हुआ कि मैं और अधिक लोगों को वापस भेज सकता हूं, जो परिवहन के अभाव में पैदल चलने की योजना बना रहे थे। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।हालांकि जब वह इन महीनों में सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहे हैं, स्क्रिप्ट्स उनकी टेबल पर जमा होती गई। और दिलचस्प यह है कि अब उन्हें जो भूमिकाएं दी जा रही हैं, वे उनकी उम्मीदों से अधिक हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हां, जिस तरह से लोग मुझे देखना और चित्रित करना चाहते हैं, उसे लेकर पूरी धारणा बदल गई है। मैं बदलाव देख सकता हूं और अब सही स्क्रिप्ट चुनने की आवश्यकता है और कुछ जादुई होने वाला है। हालांकि जब बात फिल्मों की आती है तो अभिनेता जल्दबाजी में नजर नहीं आते हैं। उन्होंने अपने निमार्ताओं से कहा है कि वे उन्हें कुछ और समय दें, ताकि वह चैरिटी के काम पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने कहा, मेरा यकीन करें, जब मैं यह कहता हूं तो लोगों की मदद करने के लिए जिस तरह की असाधारण संतुष्टि मिलती है, वह उस व्यक्ति की तुलना में बहुत बड़ी होती है, जो 100 करोड़ की फिल्म का हिस्सा बन सकता है। वर्तमान में वह दक्षिण की दो फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं और यशराज के साथ 'पृथ्वीराज' के साथ अगले सप्ताह शूटिंग शुरू करेंगे। सूद अब अधिक सशक्त भूमिकाएं तलाश रहे हैं। ओटीटी प्लेटफार्मों पर जिस तरह के कंटेंट देखने को मिल रहे हैं, सूद उससे उत्साहित हैं और वह भी डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने के लिए सही कहानी और भूमिका का इंतजार कर रहे हैं।

बॉलिवुड में डेब्यू करने जा रही हैं सुष्मिता की बेटी रिनी, मूवी का नाम होगा 'सुट्टाबाजी'

हाल के दिनों में बॉलिवुड में बहुत से स्टारकिड्स ने डेब्यू किया है। अब एक और स्टारकिड यानी सुष्मिता सेन की बेटी रिनी भी बॉलिवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। 21 साल की रिनी की पहली फिल्म का नाम 'सुट्टाबाजी' होगा और इसकी शूटिंग हाल में शुरू हो चुकी है और इसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की कहानी कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान परिवार के रिश्तों पर है। हालांकि फिल्म के बारे में ज्यादा डीटेल्स सामने नहीं आई हैं, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि रिनी का किरदार इसमें एक बिगड़ैल बच्ची का होगा। फिल्म में कोमल छाबड़िया और राहुल वोहरा रिनी के पैरंट्स के किरदार में नजर आएंगे। रिनी की इस डेब्यू फिल्म का डायरेक्शन कबीर खुराना कर रहे हैं और माना जा रहा है कि यह फिल्म सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। वैसे अपने कई पुराने इंटरव्यू में सुष्मिता सेन पहले ही कह चुकी हैं कि उनकी बड़ी बेटी रिनी हमेशा से ऐक्ट्रेस बनना चाहती हैं। इसके लिए बाकायदे रिनी ने ट्रेनिंग ली है। रिनी ऐक्टिंग के अलावा गाने का भी शौक रखती हैं, माना जा रहा है कि वह अपनी पहली फिल्म में गाना भी गाएंगी।

बाल कलाकार मायरा ने कहा गाना असल जिंदगी में भी मेरा जुनून

लोकप्रिय दूरदर्शन धारावाहिक 'मैडम सर' में शामिल होने के लिए बाल कलाकार मायरा सिंह बिल्कुल तैयार हैं। इसे लेकर मायरा कहती हैं, किरदार एक ऐसी लड़की का है, जिसे गाना बेहद पसंद है, लेकिन उसके पिता इसके खिलाफ हैं, क्योंकि उनका मानना है कि सिंगिंग केवल लड़कों के लिए ही है। जब मुझे यह किरदार मिला, तो मैं बहुत रोमांचित हुई, क्योंकि राधा की ही तरह गाना असल जिंदगी में भी मेरा जुनून है। इससे पहले 'कुल्फी कुमार बाजेवाला' में काम कर चुकीं मायरा ने आगे कहा, एक्टिंग के अलावा मेरा अपना एक यूट्यूब चैनल भी है, जहां मैं अपने गाए गाने पोस्ट करती हूं। मुझे पता है कि मैं अपने किरदार के साथ न्याय कर पाऊंगी। 'मैडम सर' की पूरी टीम के साथ प्रोमो के लिए शूटिंग करने में बहुत मजा आया क्योंकि सबने मुझे सहज महसूस कराने और चीजों को भली-भांति समझने में मेरी काफी मदद की। 'मैडम सर' में गुलकी जोशी, युक्ती कपूर, भाविका शर्मा और सोनाली नाइक जैसे कलाकार भी हैं। इसे सोनी सब पर प्रसारित किया जाएगा। बता दें कि बाल कलाकार मायरा का कार्यक्रम में किरदार ऐसी बच्ची का है, जिसे गाने से बेहद लगाव है और वह भविष्य में इसी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं।

बेटियों पर बढ़ रही 'दरिंदगी' से नाराज आयुष्मान खुराना

बेटों की 'परवरिश' पर उठाए सवाल, कहा-

ये सब कब रुकेगा

हाथरस और बलरामपुर में हुई घटना ने लोगों को अंदर से झकझोर कर रख दिया है। बॉलीवुड सेलेब्स भी इन घटनाओं पर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना रेप के बढ़ रहे मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा- 'मैं इन घटनाओं से चकित हूं और काफी टूटा महसूस कर रहा हूं। हाथरस के बाद बलरामपुर में एक और गैंगरेप का मामला सामने आया है। ये बहुत दर्दनाक है, अमानवीय है और इसके लिए कड़ी से कड़ी सजा आरोपियों को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये सब कब रुकेगा? हम हर दिन देश में महिलाओं का बचाव करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। हमें महिलाओं को प्रोटेक्ट करने से कुछ ज्यादा करने के बारे में सोचना चाहिए। हमें बेटों को बेहतर सीख देनी चाहिए।' आयुष्मान खुराना ने कहा- यूनिसेफ के सेलिब्रिटी एडवोकेट होने के नाते मैं पूरी कोशिश करूंगा कि बच्चों पर हो रहे किसी भी प्रकार के अत्याचार को रोका जा सके। बच्चों का शोषण होना कोई नई बात नहीं है मगर कितनी दफा ऐसा होता है कि इस पर बात की जाती है और ऐक्शन लिया जाता है। हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करना पड़ेगा कि वे इस सच्चाई से रूबरू हों और फिर इसके खिलाफ ऐक्शन लिया जा सके। गौरतलब है कि आयुष्मान इन दिनों अपनी फैमिली के साथ चंडीगढ़ में हैं। वह जल्द ही अभिषेक कपूर की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस वाणी कपूर हैं। फिल्म में उनका किरदार एक एथलीट का होगा।

रोहित रेड्डी ने नाराज पत्नी अनीता को फूल देकर मनाया

रोहित रेड्डी ने अपनी पत्नी अनीता हसनंदानी को फूल देकर मनाया है। अनीता हसनंदान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की। इस तस्वीर में वह हाथों में फूल लिए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने कैप्शन में शायरी के अंदाज में बताया कि उनके पति से भूल हुई थी, जिस वजह से उन्होंने उन्हें फूल दिए और मनाया।

हालांकि रोहित अकेले ऐसे पति नहीं हैं, जो अपनी पत्नी को फूल देकर मनाते हैं। दरअसल, प्यार को इजहार करने से लेकर किसी भी स्पेशल मौके पर महिलाओं को अक्सर फूल दिए जाते हैं, क्योंकि ये उन्हें काफी पसंद आते हैं। खासतौर से गुलाब के फूल के तो हर कलर के साथ अलग मीनिंग जोड़ा जाता है, जिसके अनुसार कपल्स अपने इमोशन्स जाहिर करने के लिए इन्हें चुनते हैं। फूल भले ही कुछ दिन में मुरझा जाते हैं, लेकिन इनका रोमांटिक इफेक्ट हमेशा के लिए रहता है। यही वजह है कि इन्हें ओल्ड फैशन नहीं बल्कि प्यार जाहिर करने का टाइमलेस तरीका माना जाता है। कई बार मेल्स ये कहते दिख जाते हैं कि फूल लेने से अच्छा है कि कोई प्रैक्टिकल गिफ्ट दो। लेकिन सच तो ये है कि प्रैक्टिकल गिफ्ट से अपने इमोशन्स को जाहिर कर पाना और सामने वाले का उन्हें महसूस कर पाना मुश्किल होता है। वहीं फूल को व्यक्ति जब चुनता है, तो उसमें पूरी तरह से सिर्फ और सिर्फ इमोशन्स इन्वॉल्व होते हैं। कोई गिफ्ट सरप्राइज एलिमेंट में भले ही सक्सेसफुल न हो सके, लेकिन फूल इस काम में कभी फेल नहीं होते। बता दें कि गर्लफ्रेंड या वाइफ फूलों की यह खासियत भी उन्हें फीमेल्स का फेवरिट बनाती हैं, तभी तो वह इन्हें कभी रिजेक्ट नहीं करती हैं।

फिल्म उद्योग को वापसी पर काफी खुश हैं वाणी कपूर

फिल्म 'बेल बॉटम' सुपरस्टार अक्षय के साथ नजर आने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर फिल?म उद्योग को वापस पटरी पर लौटता देखकर खुश हैं। इस बारे में वाणी ने कहा कि 'बेल बॉटम' के लिए शूटिंग मजेदार और एक अच्छा अनुभव रहा है। चल रही महामारी के बीच कई चुनौतियों के बावजूद टीम एक बड़े क्रू टीम के साथ फिल्मांकन करते समय सहज और सुरक्षित शूटिंग का अनुभव उपलब्ध करने में कामयाब रही, जिसके लिए वे सभी श्रेय के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षा और स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता के कारण हम सेट पर सुरक्षित महसूस कर पाए। बता दें कि वाणी आयुष्मान खुराना के साथ अभिषेक कपूर की बेनाम रोमांटिक ड्रामा की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस प्रगतिशील प्रेम कहानी में मैं आयुष्मान के साथ शूटिंग करने को लेकर उत्साहित हूं। मेरा फिल्म जगत धीरे-धीरे पटरी पर वापस आ रहा है और मैं इसे लेकर बहुत आभारी हूं।

न्यूज. ब्रीफ

गरीबी में आटा गीला... पाकिस्तान में पहली बार इतना महंगा हुआ गेहूं, भूखी जनता के आक्रोश को झेल पाएंगे इमरान खान?

इस्लामाबाद। गले तक कर्ज में डूबे पाकिस्तान की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। भ्रष्टाचार और कुशासन की वजह से इमरान सरकार से तंग आ चुकी जनता अब भूख से बिलबिला रही है। पड़ोसी देश में इन दिनों महंगाई चरम पर है। खाने-पीने की चीजें हद से ज्यादा महंगी हो गई हैं। आलम यह है कि गेहूं की कीमत रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में एक किलो गेहूं के लिए लोगों को 60 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। द न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान में 40 किलो के गेहूं के कट्टे की कीमत 2400 रुपए है। पहली बार देश में गेहूं की कीमत इस स्तर तक पहुंच गई है। पिछले साल दिसंबर में भी गेहूं की कीमत इसी तरह काफी तेजी से बढ़ी थी, तब इसकी कीमत 50 रुपए प्रति किलोग्राम तक हुई थी। इस साल 5 अक्टूबर को गेहूं की कीमत 2400 रुपए प्रति 40 किलोग्राम तक पहुंच गई। ऑल पाकिस्तान फ्लोर असोसिएशन ने केंद्र और राज्य सरकारों से गेहूं का खरीद मूल्य तुरंत निर्धारित करने की मांग की है। फ्लोर असोसिएशन का कहना है कि देश में गेहूं की कमी मिल मालिकों की वजह से नहीं बल्कि प्रभावशाली लोगों की वजह से है। मीडिया में बताया गया है कि पाकिस्तान सरकार ने रूस से 200,000 मीट्रिक टन गेहूं आयात को मंजूरी दी है, जो इस महीने पहुंच सकता है। इस बीच नेशनल प्राइस मॉनिटरिंग कमिटी ने सोमवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में इजाफे की वजहों पर मंथन किया। बताया गया है कि यह बैठक पीएम इमरान खान के निर्देश पर हुई है।

आलू, टमाटर और प्याज भी महंगा–ऐसा नहीं कि इस समय पाकिस्तान में सिर्फ गेहूं महंगा हुआ है, बल्कि टमाटर, आलू, ब्याज, चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं के दाम भी तेजी से बढ़ रहे हैं। सब्जियों की कीमत भी बढ़ गई है। सितंबर 2020 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 9त्न रहा है। बैठक के दौरान यह भी बताया गया कि आलू, टमाटर और प्याज के थोक और खुदरा कीमतों में प्रॉफिट मार्जिन बहुत बढ़ गया है, जिसकी वजह से आम आदमी परेशान है।

चार साल बाद फिर चर्चा में है पाकिस्तान का ये हैंडसम चायवाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का एक चायवाला चार साल पहले सुर्खियों में आया था, जब एक स्थानीय फोटोग्राफर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उसकी तस्वीर पोस्ट की थी। देखते ही देखते उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। उसकी नीली आंखों और स्मार्ट लुक की खूब तारीफ हुई थी। पाकिस्तान का यह चायवाला एक बार फिर सुर्खियों में है और उसे सोशल मीडिया पर खूब तवज्जो मिल रही है। चायवाले के नाम से मशहूर अरशद खान तब इस्लामाबाद के संडे बाजार में काम करते थे। वर्ष 2016 में जब उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो उनकी तारीफ उनके लुक और खासकर नीली आंखों को लेकर थी, जिसकी वजह से उन्हें मॉडलिंग और एक्टिंग जैसे कई काम के ऑफर भी मिले, लेकिन इस बार वह अपने लुक को लेकर नहीं, बल्कि अपने काम को लेकर चर्चा में हैं।

इस्लामाबाद में है अपना कैफे–अरशद खान का अब इस्लामाबाद में अपना कैफे है और लोग सोशल मीडिया के जरिये उन्हें इस नई पारी के लिए खूब बधाइयां दे रहे हैं। 2016 में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि इस्लामाबाद में चाय की दुकान पर उन्होंने 25 साल पहले काम करना शुरू किया था। तब उनकी तस्वीर स्थानीय फोटोग्राफर जिया अली ने खींची थी। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में उनकी खबरें तब खूब चली थीं। डेली पाकिस्तान की एक रिपोर्ट के अनुसार, अरशद खान ने कैफे चायवाला रूफटॉप नाम से शहर में कैफे खोला है। इस आधुनिक शैली के टी स्टॉल में चाय के साथ लोगों को 15-20 तरह के व्यंजन भी परोसे जाते हैं, जबकि इसकी सजावट देसी अंदाज में की गई है। कुछ लोगों ने उन्हें अपने टी स्टॉल का नाम अरशद खान करने की सलाह भी दी, पर उन्होंने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि चायवाला अब उनकी पहचान से जुड़ गया है।

अटल टनल में 3 दिन में हुए 3 हादसे पर्यटकों की लापरवाही आ रही सामनेदेश

नई दिल्ली–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में 10 हजार फीट की ऊंचाई पर निर्मित अटल सुरंग का उद्घाटन किया। इस टनल से मनाली और लेह के बीच की दूरी 46 किमी कम हो गई है और यात्रा का समय चार से पांच घंटे तक कम हो गया है। आम लोगों के लिए टनल खुलने के बाद से पर्यटकों द्वारा लापरवाही से गाड़ी चलाने के कई उदाहरण देखे गए हैं। इस वजह से यहां 3 दिन में 3 हादसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमा सड़क संगठन और जिला प्राधिकरण सैकड़ों पर्यटकों और चालकों द्वारा नई सुरंग में अधिक गति के साथ वाहनों को चलाने को लेकर चिंताओं का सामना कर रहे हैं।

एक नजर इधर भी

नई दिल्ली। देशभर में हो रही बलात्कार की घटनाओं को लेकर सभी में काफी रोष है इसको देखते हुए नई दिल्ली में नेशनल अकाली दल महिला विंग की ओर से दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में जंतर-मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

4 अक्टूबर को डेढ़ लाख से अधिक हवाई यात्रियों ने किया विमान में सफर: हरदीप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनाकाल में हवाई यातायात भी प्रभावित रहा लेकिन आनलॉक के चलते अब एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है। चार अक्टूबर को तकरीबन डेढ़ लाख यात्रियों ने घरेलू विमान यात्रा की है जबकि करीब साढ़े तीन लाख लोगों की उपस्थिति एयरपोर्ट पर दर्ज की गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि रविवार को कुल 1,68,860 लोगों ने 1,458 उड़ानों से घरेलू यात्रा की। वहीं, कल दिनभर में एयरपोर्ट पर 3,37,234 लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई है। गौरतलब है कि मार्च में कोरोना संक्रमण की शुरूआत के बाद हवाई यात्रा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके कुछ महीने बाद घरेलू यात्रा के लिए अनुमति दे दी गई थी। हालांकि विदेश यात्रा पर से प्रतिबंध अभी भी नहीं हटाया गया है। अनलॉक 5 की गाइडलाइंस के अनुसार, नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदी फिलहाल 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसे लेकर जानकारी दी थी।

महानिदेशक ने बताया था कि कुछ खास मामलों में चुनिंदा रूट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की इजाजत दी जा सकती है। हालांकि मई से वंदे भारत अभियान के तहत विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को लाने का काम चल रहा है। वहीं जुलाई से कुछ देशों के साथ 'एयर बबल' सिद्धांत पर सीधी उड़ानों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, यूएई, समेत 15 देश शामिल हैं। इसी समझौते के अनुसार सीधी उड़ानें संचालित हो रही हैं। इसके अलावा नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी ने बताया था कि हाल ही में दो देशों केन्या और भूटान के साथ 'एयर बबल' सिद्धांत के अनुसार उड़ानें परिचालन करने का समझौता हुआ है।

मोदी सरकार ने बताया भगौड़े कारोबारी माल्या के प्रत्यर्पण पर ब्रिटेन में कुछ गोपनीय कार्यवाही चल रही

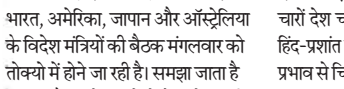

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि भगौड़े शराब कारोबारी विजयमाल्या के प्रत्यर्पण का आदेश ब्रिटेन की सर्वोच्च अदालत दे चुकी है, लेकिन इसपर अमल नहीं हुआ है। ब्रिटेन में मामले में कुछ गोपनीय कार्यवाही चल रही है, जिसकी जानकारी भारत को भी नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को माल्या के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान यह खुलासा हुआ है। उधर, कोर्ट ने साफ जवाब न देने के लिए भगोड़े कारोबारी के वकील को फटकार लगाकर सुनवाई 2 नवंबर के लिए टाल दी है। दरअसल,सुप्रीम कोर्ट ने माल्या के वकील से कोर्ट की अवमानना से जुड़े मामले में पूछा कि माल्या इस मामले में कब पेश हो सकते हैं। अदालत ने यह जानना चाहा कि मामले में क्या हो रहा है और प्रत्यर्पण में क्या बाधा है। इस पर, विदेश मंत्रालय द्वारा अदालत को बताया गया कि ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्यर्पण का आदेश दिया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। कुछ गुप्त क्रियाएं हो रही हैं, जिनके बारे में भारत सरकार को अवगत नहीं कराया गया है। भारत सरकार को न तो कोई जानकारी दी गई है और न ही इस पार्टी बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई 2 नवंबर को करेगा। जस्टिस यू यू ललित और अशोक भूषण की पीठ ने माल्या के वकील से अदालत को सूचित करने के लिए कहा कि उन्हें प्रत्यर्पित करने के लिए किस तरह की गुप्त कार्यवाही चल रही है। माल्या की ओर से पेश अधिवक्ता अंकुर सहगल ने शीर्ष अदालत को बताया कि उन्हें नहीं पता था कि किस तरह की कार्यवाही चल रही है।

| मुंबई में 33 और राज्य में 50 प्रतिशत की क्षमता से रेस्टॉरेंट-बार खोलने की अनुमति |

महाराष्ट्र में खुल गए रेस्टॉरेंट बार पर नहीं खुल पा रहे मंदिर के द्वार

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई सहित समूचे महाराष्ट्र में सोमवार 5 अक्टूबर से रेस्टॉरेंट, बार शुरू हो गए हैं। इससे पिछले साढ़े 6 महीनों से बंद होटल उद्योग अब एक बार फिर पटरी पर आने लगेगा। 30 सितंबर को जारी आदेश के अनुसार राज्य सरकार ने मुंबई में 33 प्रतिशत जबकि राज्य में 50 प्रतिशत की क्षमता से बार, रेस्टॉरेंट शुरू होने की अनुमति दी है. मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निदेर्शानुसार राज्य सरकार ने 'मिशन बिगेन अगेन-अनलॉक- 5इ के तहत ये व्यवसाय शुरू करने की अनुमति दी है।

इस उद्योग को शुरू करते समय कोरोना के लिए आवश्यक उपाय योजना का पालन भी होटल व्यवसायियों को करना होगा। गौरतलब हो कि मार्च में मुंबई में कोरोना का पहला मामला मिलने के बाद 23 मार्च से लॉकडाउन घोषित किया गया। कोरोना को काबू में करने के लिए बार और रेस्टॉरेंट को बंद करने का निर्णय लिया गया था। इस लॉकडाउन के चलते पिछले साढ़े 6 महीनों से बार और रेस्टॉरेंट बंद थे। अब राज्य सरकार ने मिशन बिगेन अगेन के तहत आवश्यक सावधानी बरतते हुए बार और रेस्टॉरेंट को शुरू करने की अनुमति दी है। होटल, बार और रेस्टॉरेंट शुरू होने से कई हजार लोगों को दोबारा रोजगार मिलेगा।

ऑनलाइनइ बुकिंग को प्राथमिकता देने का आह्वान

कोरोना भले ही नियंत्रण में आ गया हो लेकिन संकट अभी टला नहीं है। कोरोना नियमों का पालन करते हुए होटल, बार और रेस्टॉरेंट शुरू करने की अनुमति दी गई है। भीड़ को टालने के लिए 'ऑनलाइनइ बुकिंग को प्राथमिकता देने का आह्वान मनपा ने किया है।

नहीं खुल पा रहे मंदिर के द्वार

एक ओर महाराष्ट्र सरकार अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए धीरे-धीरे उद्योग-व्यापार खोलने की अनुमति दे रही है लेकिन अबतक मंदिर के द्वार को खोलने पर कोई विचार नहीं कर पा रही है. जिससे भक्तों के बीच निराशा है. लोगों का कहना है कि जिस प्रकार कोविड के नियमों का पालन करते हुए रेस्टॉरेंट-बार और उद्योग व्यापार को खोलने की अनुमति राज्य सरकार दे रही है उसी प्रकार मंदिर के द्वार को भी खोलने के लिए सरकार को निर्णय लेना चाहिए।

बीयर बार के लिए दिशा-निर्देश

बर्फ की ट्रे, शराब के गिलास को साफ गर्म पानी और नींबू से धोना होगा। सोशल डिस्टेंसिंग अनिवार्य। हाथ पोंछने के लिए अच्छे स्तर का पेपर नैपकीन।

होटल की गाइडलाइंस

थर्मल गन से ग्राहकों के शरीर का तापमान मापना। 38 सेल्सियस से अधिक शरीर का तापमान मिलने पर प्रवेश नहीं दिया जाए. मास्क के बिना नो एंट्री। हैंड सैनिटाइजर आवश्यक।

नियमों का उल्लंघन हुआ तो लाइसेंस रद्द

मुंबई में 33 प्रतिशत की क्षमता पर रेस्टॉरेंट शुरू करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा कोरोना के परिप्रेक्ष्य में दिए गए सभी नियमों का पालन रेस्टॉरेंट मालिकों को करना होगा। इन नियमों का उल्लंघन हुआ तो लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी, ऐसी जानकारी अतिरिक्त मनपा आयुक्त सुरेश काकाणी ने दी है। इसके अलावा इन पर नजर रखने के लिए वॉर्ड स्तर पर मनपा की टीम भी तैयार की गई है।

चीन की आक्रामकता को मिलेगा जवाब

आज जापान में मिलेंगे क्वाड समूह के विदेश मंत्री

तोक्यो। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के चार देशों भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की बैठक मंगलवार को तोक्यो में होने जा रही है। समझा जाता है कि इस बैठक में चार देशों के विदेश मंत्री एक मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की महत्ता पर जोर देंगे। इस बैठक में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर जापान पहुंच चुके हैं। ये चारों देश इस समूह के जरिए चीन की आक्रामकता का जवाब देना चाहते हैं।

बैठक में क्षेत्रीय मुद्दों पर होगी चर्चा–विदेश मंत्रियों की यह बैठक स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे होनी है। इस बैठक में क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होनी है। इसके अलावा चीन की आक्रमकता को जवाब देने के लिए अपने अगले कदमों के बारे में ये चारों देश चर्चा कर सकते हैं। ये सभी देश हिंद-प्रशांत महासागर में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव से चिंतित हैं। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब सीमा पर चीन के साथ भारत का तनाव चल रहा है। सीमा पर गतिरोध बनने के बाद क्वाड समूह की यह पहली बैठक है।

समूह में शामिल हैं भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान

बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मैरिसे पाइने और जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल होंगे। जापान के अधिकारियों ने कहा है कि विदेश मंत्री कोविड-19 महामारी के प्रभाव और व्यापक सुरक्षा एवं आर्थिक सहयोग के लिए 'स्वतंत्र और मुक्त हिन्द-प्रशांत' पहल पर चर्चा करेंगे।

दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है चीन

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दक्षिण चीन सागर सहित पश्चिमी एवं मध्य प्रशांत महासागर और हिंद महासागर को शामिल किया जाता है। चीन लंबे समय से दक्षिण चीन सागर अपना दावा करता आया है। वह पिछले कुछ समय से हिंद महासागर में भी अपनी गतिविधियां बढ़ाने में जुटा है। इससे अबाध सौमुद्रिक नौवहन की वैश्विक अवधारणा को चुनौती मिल रही है। चीन की आक्रामकता पर दक्षिण चीन सागर के देश वियतनाम, फिलिपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं।

इट हाउस की प्रेस सचिव कैली मैकइनैनी कोविड-19 से संक्रमित

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैली मैकइनैनी ने सोमवार को कहा कि वह कोविड-19 से संक्रमित हो गयी हैं। मैकइनैनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला के इस वायरस की चपेट में आने के बाद कोविड-19 से संक्रमित होने वाली व्हाइट हाउस की शीर्षतम अधकारी हैं। देश में इस साल इस महामारी से अब तक 2,00,000 से अधिक अमेरिकी जान गंवा चुके हैं। मैकइनैनी ने ट्वीट किया, गुरुवार से रोजाना परीक्षण के दौरान में निगेटिव आ रही थी और सोमवार सुबह मैं कोविड-19 संक्रमित पायी गयी जबकि मुझमें कोई लक्षण भी नहीं था। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट ने प्रेस के किसी भी संवाददाता, प्रोड्यूसर या सदस्य को करीबी संपर्क के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया है। उन्होंने गुरुवार को व्हाइट हाउस में बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन का हवाला देते हुए कहा, इसके अलावा, मुझे व्हाइट हाउस में बृहस्पतिवार को प्रेस ब्रीफिंग करने से पहले हॉप हिक्स की जांच की कोई जानकारी नहीं थी। उस प्रेस मीट में उन्होंने मास्क नहीं लगाया था। राष्ट्रपति और प्रथम महिला की करीब सहयोगी हिक्स पिछले सप्ताह कोविड-19 संक्रमित होने वाली व्हाइट हाउस की पहली अधिकारी हैं।

सावधान! इन जगहों पर छह फीट से अधिक दूरी तक जा सकता है कोरोना वायरस, मास्क ही बचाएगा

न्यूयॉर्क। अमेरिका की शीर्ष जन स्वास्थ्य एजेंसी ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस छह फीट की दूरी रखने पर भी फैल सकता है, खासकर बंद स्थानों या जहां हवा का प्रवाह खराब हो..लेकिन साथ ही एजेंसी के अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि संक्रमण का ऐसा प्रसार असामान्य है और अब भी सामाजिक दूरी के नियम कारगर हैं। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के इस दावे पर हालांकि कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वायरस सीडीसी द्वारा बताए तरीके से अधिक आसानी से फैल सकता और साथ ही उन्होंने लोगों से बड़े खुले स्थानों, जहां वे दूसरे लोगों से छह फीट से अधिक दूरी पर हों, पर भी मास्क पहनने की अपील की। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डॉ. डोनाल्ड मिल्टन ने कहा, वायरस हवा के माध्यम से फैल रहा है और इससे स्पष्ट और कुछ नहीं हो सकता। आप छह फीट की दूरी पर भी सुरक्षित नहीं हैं। आप छह फीट से अधिक दूरी पर होने पर भी मास्क नहीं उतार सकते। सीडीसी कई महीनों से कह रहा है कि वायरस एक संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने पर हवा में फैलने वाली छोटी बूंदों (एयर ड्रोपलेट्स) से फैलता है। सीडीसी के सामाजिक दूरी के अधिकतर दिशा-निर्देश इस बात पर ही आधारित हैं कि दो लोग जिन्होंने मास्क नहीं पहना है, उनके बीच छह फीट की दूरी उचित है। एजेंसी ने वेबसाइट पर जारी की अद्यतन जानकारी में इस बात को स्वीकार किया कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों ने उनसे छह फीट से अधिक दूरी बनाए रखने वाले लोगों को भी संक्रमित किया। हालांकि सीडीसी ने ऐसे मामलों को सीमित, असामान्य परिस्थिति करार दिया है। सीडीसी के अधिकारियों ने बताया कि उन मामलों में लोग हवा के खराब प्रवाह और बंद जगह पर व्यायाम या गाना गाने जैसी गतिविधियों में लिप्त थे, जिससे उनकी सांसें तेज चलने लगी और वायरस एक व्यक्ति से दूसरे में फैला।

अब भारत से बासमती चावल के लिए लड़ेगा पाकिस्तान, क्या है नया बखेड़ा

इस्लामाबाद । कश्मीर और सीमा विवाद को लेकर भारत से कई जंग हार चुका पाकिस्तान अब भारत से बासमती चावल के लिए टकराव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह यूरोपीय यूनियन में जियोग्राफिल आइडेंडिफिकेशन टैग के लिए भारत के दावे का विरोध करेगा। प्रधानमंत्री इमरान खान के वाणिज्य सलाहकार अब्दुल रजाक दाउद की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया।

जियो न्यू की एक खबर के मुताबिक, बैठक में इंटीलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन (आईपीओ पाकिस्तान) के सेक्रेटरी, चावल निर्यातकों के संगठन के प्रतिनिधियों और कानूनी जानकारों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान के सदस्यों ने कहा कि पाकिस्तान बासमती चावल का बड़ा उत्पादक है, इसलिए भारत का विशिष्टता का दावा अनुचित है। दाउद ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान ईयू में भारत के आवेदन का विरोध करेगा। इमरान के सलाहकार ने और अन्य हितधारकों की सलाह का समर्थन किया और भरोसा दिलाया कि बासमती चावल पर उनके दावे की रक्षा की जाएगी। अखबार ने कहा है कि भारत ने ईयू में बासमती चावल पर पूर्ण स्वामित्व का दावा किया है। जियो न्यूज ने गल्फ न्यूज के हवाले से कहा है कि यूरोपीयन रेग्युलेशन 2006 के मुताबिक, बासमती को अभी भारत और पाकिस्तान के उत्पाद के रूप में मान्यता है। गौरतलब है कि गंगा और हिमालय के मैदानी क्षेत्र में पैदा होने वाले बासमती का स्वाद और खुशबू दुनियाभर में फेमस है। भारत में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर बासमती की खेती होती है। हाल ही में मध्य प्रदेश ने भी जीआई टैग की मांग की थी, जिसका पंजाब जैसे राज्यों ने विरोध किया था। भारत हर साल करीब 33 हजार करोड़ रुपए के बासमती चावल एक्सपोर्ट करता है। किसी क्षेत्र विशेष के उत्पादों को जीअग्रैफिकल इंडिकेशन टैग (जीआई टैग) से खास पहचान मिलती है। चंदेरी की साड़ी, कांजीवरम की साड़ी, दार्जिलिंग चाय महाबलेश्वर स्ट्रॉबेरी, जयपुर ब्लू पोटरी, बनारसी साड़ी, तिरुपति के लड्डू, मध्य प्रदेश के झाबुआ के कड़कनाथ मुर्गा और मलिहाबादी आम समेत अब तक करीब 600 से ज्यादा भारतीय उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है।

जूडो कप प्रतियोगिता

क्रोएशिया में जूडो कप प्रतियोगिता के दौरान जोर आजमाइश करते स्लोवेनिया के वीटो डैगिक और सर्बिया के जरको कुलम।

फ्रेंच ओपन में स्वियातेक ने शीर्ष वरीयता प्राप्त हालेप को हराकर किया बड़ा उलटफेर

पेरिस ■ एजेंसी

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने 2018 की चैम्पियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिमोना हालेप को 6-1 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम से बाहर कर दिया। स्वियातेक पहली बार ग्रैंडस्लैम के क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। उन्होंने पिछले साल इसी दौर में हालेप से मिली हार का बदला चुकता किया। रोमानियाई खिलाड़ी ने उस मैच को महज 45 मिनट में 6-1 6-0 से जीता था। इस बार स्वियातेक ने हालेप की करियर की सर्वश्रेष्ठ 17 मैच में जीत की लय को तोड़ दिया। हालेप ने पहला सेट महज 26 मिनट में गंवा दिया। दूसरे सेट में वह अपने पहले सर्विस गेम को गंवा बैठी, वह वापसी करने के लिए बेताब थीं। उन्होंने तीसरे गेम में चार ब्रेक प्वाइंट बचाए। लेकिन पांच ब्रेक प्वाइंट और बचाने के बाद वह पाचवें में सर्विस गंवा बैठी। स्वियातेक ने कहा मुझे लगता है कि मैं बेहतरीन खेल रही थी। मैं भी हैरान हूं कि मैं ऐसा कर पाई। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने कहा कि बालिका जूनियर टूर्नामेंट से दो खिलाड़ियों को कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने के बाद हटा दिया गया है। लेकिन दोनों के नाम नहीं बताए गए।

नडाल से हारने के बाद कोरडा ने मांगा आटोग्राफ, कहा - जीवन का सर्वश्रेष्ठ पल

पेरिस। ऐसा कम ही होता है कि ग्रैंडस्लैम का कोई मैच 6.1, 6.1, 6.2 से हारने के बाद कोई टेनिस खिलाड़ी उस दिन को अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ पल कहे और विजेता खिलाड़ी से उसके आटोग्राफ वाली शर्ट मांगे। अमेरिका के 20 वर्ष के क्वालीफायर सेबेस्टियन कोरडा ने फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में रफेल नडाल से हारने के बाद ऐसा ही किया। कोरडा ने 12 बार के चैम्पियन नडाल से मिली हार के बाद कहा कि मैं बचपन से उनका दीवाना हूं। मैंने उनका हर मैच देखा है, चाहे वह किसी भी टूर्नामेंट में खेल रहे हों। वह मेरे हीरो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन का सर्वश्रेष्ठ पल है और मैं इससे बेहतर की कल्पना नहीं कर सकता था। कोरडा 1991 के बाद फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे युवा अमेरिकी है। उनके माता पिता दोनों टेनिस खिलाड़ी रहे हैं।

न्यूज. ब्रीफ

दिल्ली कैपिटल्स को लगा बड़ा झटका अमित मिश्रा पूरे सीजन से बाहर

दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लग गया है। स्पिनर अमित मिश्रा अब इस सीजन में नहीं खेल सकेंगे। अमित मिश्रा उंगली की चोट के चलते आईपीएल के इस सीजन से बाहर हो गए हैं। अमित मिश्रा आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। अमित मिश्रा ने 150 आईपीएल मैचों में 160 विकेट लिए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लसिथ मलिंगा के नाम दर्ज है और अमित मिश्रा उनसे महज 10 विकेट पीछे हैं। मलिंगा इस सीजन में नहीं खेल रहे हैं, ऐसे में माना जा रहा था कि अमित मिश्रा इस सीजन में मलिंगा को पीछे छोड़ देंगे। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक मिश्रा अब इस सीजन में नहीं खेल पाएंगे। दिल्ली कैपिटल्स में स्पिन डिपार्टमेंट में आर अश्विन, अक्षर पटेल और संदीप लामिछाने जैसे गेंदबाज मौजूद हैं। अमित के चोटिल होने के बाद अश्विन की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ नीतीश राणा के एक शॉट पर गेंद पकड़ने के चक्कर में अमित मिश्रा की उंगली में चोट आ गई थी। इसके बाद भी हालांकि अमित मिश्रा ने गेंदबाजी की थी और शुभमन गिल का विकेट भी लिया था। केकेआर के खिलाफ उन्होंने दो ओवर में 14 रन खर्चकर एक विकेट लिया था। आरसीबी के खिलाफ आज के मैच में अश्विन के साथ अक्षर पटेल प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं।

पहाड़ की तलहटी में बसे गांव में दिखी महिला फुटबॉलरों की प्रतिभा

बड़कागांव। हजारीबाग जिला अंतर्गत बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय से 15 किमी दूर स्थित पहाड़ी तलहटी में बसा गांव इतिज में महिला फुटबॉलरों का हुनर देखने को आया है। आर्य कर्ण निधि प्राइवेट लिमिटेड एवं नीलांबर-पीतांबर युवा क्लब की ओर से आर्य कर्ण महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें महिला फुटबॉलरों की प्रतिभा देखी गई। कोरोना संक्रमण के इस दौर में काफी लंबे अरसे बाद गांव में इस तरह का टूर्नामेंट शुरू किया गया है। इस दौरान महिला फुटबॉलरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। महिला ए एवं बी टीम के बीच खेला गया फुटबाल मुकाबला बड़ी संख्या में लोगों ने देखा। इस दौरान महिला खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। फुटबॉलर सुचित कुमारी, सुषमा, पुष्पा और कंचन कुमारी ने जबर्दस्त खेल का प्रदर्शन किया।

प्रतिभाशाली सैम करन की गर्लफ्रेंड हैं बेहद ग्लैमरस, समंदर से है बेइंतहा प्यार

दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2020 में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे सैम करन ने अबतक सभी को बेहद प्रभावित किया है। सैम करन ने अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से सभी का दिल जीता है। चेन्नई सुपरकिंग्स के फैंस उन्हें बडा मैच विनर मानते हैं। जिस तरह से करन ने कुछ मुकाबलों में क्रीज पर जाते ही छक्के जड़े है, वह उनके टैलेंट को दशार्ता है। सैम करन क्रिकेट के साथ-साथ अपने लुक्स के लिए भी काफी पॉपुलर हैं। सैम करन की भारत में अच्छी खासी महिला फैंस हैं। आपको बता दें सैम करन क्रिकेट के बाद अपनी गर्लफ्रेंड इसाबेला से बेहद प्यार करते हैं। जब करन क्रिकेट नहीं खेल रहे होते तो वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ समय बिताते हैं और उनके साथ ट्रैवल करते हैं।

घरेलू आयुवर्ग टेनिस टूनार्मेंट 16 नवंबर से

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले आठ महीने से बंद घरेलू टेनिस टूनार्मेंट 16 नवंबर से फिर शुरू होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईटीए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाकी खेलों की तरह प्रतिस्पर्धी टेनिस भी कोरोना महामारी के कारण 16 जून से बंद है। एआईटीए के बयान के अनुसार टूनार्मेंट अंडर 12, अंडर 14 और अंडर 16 आयुवर्ग से ही शुरू होंगे। बयान में कहा गया, एआईटीए प्रबंधन समिति की बैठक में फैसला लिया गया कि सभी मान्य ईकाइयों के सचिवों को बताया जाये कि 16 नवंबर 2020 से टेनिस टूनार्मेंट फिर शुरू करने के पूरे प्रयास किये जाये। इसके लिये सरकारी दिशा निदेर्शों को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरा पालन किया जाये।

आईपीएल 2020: रोहित का चलेगा बल्ला या स्मिथ मारेंगे बाजी

मुंबई के खिलाफ रॉयल्स को दिखाना होगा दम

अबुधाबी ■ एजेंसी

शानदार फॉर्म में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में राजस्थान रॉयल्स के लिए काफी कठिन चुनौती होगी और अपने अभियान को ढर्रे पर लाने के लिए वह अंतिम एकादश में बदलाव कर सकती है। शारजाह में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शानदार शुरूआत करने के बाद दुबई और अबुधाबी में रॉयल्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। पहले दो मैच वाले फॉर्म को वे दोहरा नहीं सके। दूसरी ओर मुंबई ने पिछले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है और छह अंक लेकर दिल्ली कैपिटल्स से बेहतर रन औसत के आधार पर वे अंकतालिका में शीर्ष पर हैं।

सुपर ओवर में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से मिली हार के बाद गत चैम्पियन टीम ने शानदार वापसी करके किंग्स इलेवन पंजाब को 48 और सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हराया। मुंबई के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि वह किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही है और उसके सभी खिलाड़ियों ने समय पर योगदान दिया। कप्तान रोहित शर्मा भी जबर्दस्त फार्म में हैं जबकि क्विंटोन डिकॉक ने फॉर्म में वापसी की। कीरोन पोलार्ड अच्छा खेल रहे हैं, जबकि ईशान किशन और हार्दिक पंड्या भी मैच विनर साबित हो रहे हैं। पिछले मैच में कृणाल पंड्या ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज जेम्स पेटिंसन, जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ड ने उम्दा खेल दिखाया है। दूसरी ओर रॉयल्स को इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स की कमी बुरी तरह खली है जो पृथकवास पूरा करने के बाद 11 अक्टूबर के बाद ही उपलब्ध होंगे।

जोस बटलर (तीन मैच में 47 रन) और जयदेव उनादकट (चार मैचों में एक विकेट) का खराब फॉर्म टीम को बुरी तरह खला है। युवा रियान पराग भी नहीं चल सके हैं। ऐसे में कप्तान स्टीव स्मिथ उन्हें बाहर रखकर यशस्वी जायसवाल को मौका दे सकते हैं। गेंदबाजी में उनादकट पावरप्ले या डैथ ओवरों में नहीं चल पा रहे हैं जिससे टाम कुरेन और जोफ्रा आर्चर पर दबाव बढ गया है। स्मिथ इन हालात में वरुण आरोन या कार्तिक त्यागी को उतार सकते हैं।

शानदार फार्म में मुंबई

शानदार फॉर्म में चल रही मुंबई के खिलाफ इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के लिए काफी कठिन चुनौती होगी क्योंकि मुंबई इस समय जबरदस्त फॉर्म में चल रही है। टीम ने सुपर ओवर में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से मिली हार के बाद डिफेंडिंग चैम्पियन टीम ने शानदार वापसी करके किंग्स इलेवन पंजाब को 48 और सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हराया। इसके अलावा शारजाह में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शानदार शुरूआत करने के बाद दुबई और अबुधाबी में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। पहले दो मैच वाले फॉर्म को वे दोहरा नहीं सके। दूसरी ओर रॉयल्स को इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की कमी बुरी तरह खली है जो क्वारंटाइन पूरा करने के बाद 11 अक्टूबर के बाद ही उपलब्ध होंगे। गेंदबाजी में उनादकट पावरप्ले या डैथ ओवरों में नहीं चल पा रहे हैं जिससे टॉम करन और जोफ्रा आर्चर पर दबाव बढ गया है। आइए नजर डालते हैं आईपीएल के इस मैच में दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है-

संभावित टीमें

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकूल रॉय, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, दिग्विजय देशमुख, हार्दिक पंड्या, ईशान किशन, जेम्स पेटिसन, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पंड्या, मिशेल मैक्लीनागन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर नाइल, प्रिंस बलवंत राय, क्विंटोन डि कॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट।

राजस्थान रॉयल्स : जोस बटलर, बेन स्टोक्स, संजू सैमसन, एंड्रयू टाई, कार्तिक त्यागी, स्टीवन स्मिथ (कप्तान), अंकित राजपूत, श्रेयस गोपाल, राहुल तेवतिया, जयदेव उनादकट, मयंक मारकंडे, महिपाल लोमरोर, ओसाने थॉमस, रेयान पराग, यशस्वी जायसवाल अनुज रावत, आकाश सिंह, डेविड मिलर, मनन वोहरा, शशांक सिंह, वरुण आरोन, टॉम कुरेन, रॉबिन उथप्पा, अनिरुद्ध जोशी, जोफ्रा आर्चर

फुटबॉल गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए हमने पहला कदम उठाया: प्रफुल्ल पटेल

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को नये आदर्श वाक्य इंडियन फुटबॉल, फॉरवर्ड टूगेदर (भारतीय फुटबॉल, सबके साथ आगे बढ़ेगा) को जारी करते हुए कहा कि देश में खेलों को फिर से शुरू करने की दिशा में हमने पहला कदम उठाया है। कोविड-19 महामारी के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान अन्य सभी खेल गतिविधियों की तरह फुटबॉल भी पूरी तरह से रूक गया था।

लॉकडाउन में चरण चरणबद्ध तरीके से छूट मिलने के बाद एआईएफएफ द्वारा समर्थित इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) देश में शुरू होने वाली पहली बड़ी खेल प्रतियोगिता होगी। । गोवा में आयोजित होने वाले इस टूनार्मेंट को 20 अक्टूबर से खेला जायेगा एआईएफएफ से जारी मीडिया विज्ञप्ति में पटेल ने कहा, पूरा देश खासकर खेल गतिविधियों को लेकर ठहराव की दौर से गुजर रहा था। एआईएफएफ ने पहले ही देश में खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने की दिशा में पहला कदम उठाया है। यह इसलिए संभव सका है क्योंकि सभी हितधारक बिना रूके और बिना थके इसके लिए काम कर रहे हैं।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा, नये आदर्श वाक्य के साथ हमारा उद्देश्य सभी हितधारकों के साथ हमारे संचार में इन प्रयासों को कारगर बनाना है। यहां तक ??कि श्रृंखला की सबसे छोटी इकाई भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने हालांकि खेलों को फिर से शुरू करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे है उसके बारे में नहीं बताया। आईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा कि यह संस्था देश में इस खेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम जमीनी स्तर से लेकर राष्ट्रीय टीमों के विकास के लिए बिना किसी भेदभाव के काम कर रहे है।

मोर्गन और रसेल के बाद बल्लेबाजी के लिए आएं कप्तान कार्तिक, तो आएंगे बेहतर नतीजे : गंभीर

शारजाह ■ एजेंसी

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो बार खिताब दिलाने वाले पूर्व कप्तान गौतम गंभीर का मानना है कि फ्रेंचाइजी टीम के वर्तमान कप्तान दिनेश कार्तिक को इयोन मोर्गन और आंद्रे रसेल के बाद बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। गंभीर ने कहा सुनील नारायण से पारी की शुरूआत कराने की बजाय उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतारना चाहिए। कार्तिक की मुंबई इंडियन्स के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों पर 30 रन की पारी को छोड़ दें, तो अभी तक वह बल्लेबाजी में खास योगदान नहीं दे पाए हैं, जबकि वह मोर्गन से पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में पांचवें नंबर पर उतरकर उन्होंने केवल पांच रन बनाए जबकि मोर्गन (18 गेंदों पर 44) और राहुल त्रिपाठी (16 गेंदों पर 36) क्रमशः छठें और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए। गंभीर ने कहा राहुल त्रिपाठी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। दिनेश कार्तिक को मोर्गन और रसेल के बाद छठे नंबर पर उतरना चाहिए। सुनील नारायण को आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। अगर मोर्गन चौथे और रसेल पांचवें नंबर पर आते हैं तो दिनेश कार्तिक उनके बाद क्रीज पर उतर सकते हैं। इस पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज को लगता है कि कार्तिक का स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 19वां ओवर सौंपना सही फैसला नहीं था। इस ओवर में 20 रन गए थे। उन्होंने कहा आपके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को 18वां, 19वां और 20वां ओवर करना चाहिए, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। पैट कमिन्स से इन ओवरों में गेंदबाजी करवानी चाहिए। अगर स्पिनर से करानी है तो सुनील नारायण है। यहां तक कि शिवम मावी को आजमाया जा सकता है जिन्होंने पिछले मैचों में अच्छी गेंदबाजी की। आंद्रे रसेल यह भूमिका निभा सकता है। आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को गेंद सौंपनी चाहिए।

मैनचेस्टर, इंग्लैंड में खेले गए महिला सुपर लीग फुटबॉल मैच के दौरान मैनचेस्टर सिटी की सैम मेविस ने गोल किया। यह मैच मैनचेस्टर सिटी और टोटेनहम हॉट्सपुर के बीच खेला गया।

ट्रंप की सेहत में सुधार से चढ़ा शेयर बाजार सेंसेक्स 39000- निफ्टी 11500 के पार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालत में सुधार की खबर से ग्लोबल बाजार दौड़े हैं। शेयर बाजार इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन मजबूती के साथ खुला। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 259.73 अंकों की तेजी के साथ 38,956.78 के स्तर पर खुला। वहटर्ती नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी कारोबार की शुरूआत हरे निशान के साथ की। निफ्टी आज 11,487.80 के स्तर पर खुला और जल्द ही 96 अंकों की तेजी के साथ 11513 पर पहुंच गया। वहीं शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 389 अंकों की उछाल के साथ 39139 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजारों से संकेत पाकर एशियाई बाजारों में तेजी का रुख रहा। एसजीएक्स निफ्टी 100 और डॉव फ्यूचर 200 अंक ऊपर कारोबार कर

रहा है। बाजार की शुरूआत में निफ्टी पर फार्मा को छोड़ सभी सेक्टर हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। निफ्टी ऑटो में करीब एक फीसद से ज्यादा बढ़त देखी जा रही है। वहीं निफ्टी बैंक पौने दो फीसद, पीएसयू बैंक 1.09 फीसद, रियलिटी इंडेक्स करीब एक फीसद, फाइनेंशियल सर्विसेज 1.16 फीसद, आईटी 2.04 फीसद, प्राइवेट बैंक 1.93 फीसद, मेटल 1.27 और मीडिया 0.35 फीसद की तेजी के साथ कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंडसइंड बैंक, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और एक्सिस बैंक बढ़त वाले शेयरों में आगे रहे। इनके शेयरों में पांच प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई। विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दिनों में भारतीय बाजारों का ध्यान कंपनियों के परिणाम पर होगा। दूसरी तिमाही के परिणाम इस सप्ताह से आने शुरू हो जायेंगे। इसके साथ ही कोविड- 19 से जुड़े समाचारों और अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों पर भी बाजार का ध्यान रहेगा। गत सप्ताहांत, बृहस्पतिवार को (शुक्रवार दो अक्टूबर का अवकाश था) बीएसई सेंसेक्स 629 अंक और निफ्टी 169 अंक से अधिक चढ़कर बंद हुआ था। पूरे सप्ताह की यदि बात की जाये तो चार दिन के कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स कुल मिलाकर 1,308.39 अंक और निफ्टी 366.70 अंक ऊंचे रहे।

450 रुपए सस्ता हुआ सोना

मुंबई। कोरोना काल शुरू होते ही शेयर बाजार में भारी गिरावट आने के साथ सोने में निवेश में तेजी के साथ बढ़ोतरी देखी गई थी। अब सोने की कीमतें अपने उच्च स्तर से करीब 6000 तक गिर चुकी हैं। सोमवार को भी सोना 450 रुपए से भी अधिक सस्ता हुआ है। इस कारोबारी हफ्ते की शुरूआत में ही सोने की चमक फीकी पड़ती दिख रही है। इससे पहले सोना 50,470 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था, जो सोमवार को 50,230 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला। ये गिरावट अभी लगातार जारी हहि। शुरूआती कारोबार में ही सोने ने 50,088 रुपए का न्यूनतम स्तर भी छू लिया। सोना शुरूआती कारोबार के दौरान अपने ओपनिंग प्राइस से ऊपर नहीं जा सका है। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा बाजार में सोना गुरुवार को 0.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,286 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। एमसीएक्स में दिसंबर महीने में डिलिवरी वाले सोना अनुबंध की कीमत 48 रुपए की गिरावट के साथ 50,286 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। इसमें 15,229 लॉट के लिए कारोबार हुआ। हालांकि न्यूयार्क में सोने का भाव 1.48 प्रतिशत बढ़कर 1,879.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

लार्सन एंड टुब्रो को घरेलू बाजार में आर्डर प्राप्त हुए

नयी दिल्ली ■ एजेंसी

ढांचागत सुविधायें खड़ी करने वाली कंपनी लार्सन एण्ड टुब्रो (एल एण्ड टी) ने सोमवार को कहा कि उसे घरेलू बाजार में विभिन्न कारोबार के लिये कई आर्डर प्राप्त हुये हैं। कंपनी ने इन आर्डर के बारे में पूरा ब्योरा तो नहीं दिया है लेकिन यह कहा है कि ये आर्डर महत्वपूर्ण श्रेणी में आते हैं। अनुबंध के वर्गीकरण के मुताबिक आर्डर की कीमत 1,000 करोड़ रुपये से लेकर 2,500 करोड़ रुपये के दायरे में है। एल एण्ड टी ने एक

नियामकीय सूचना में कहा, एल एण्ड टी की निर्माण इकाई ने एक प्रमुख ग्राहक से उसके विविध कारोबार से संबंधित महत्वपूर्ण आर्डर प्राप्त किये हैं। एल एण्ड टी कंस्ट्रक्शन की जल एवं उत्प्रवाही शोधन व्यवसाय को गुजरात सरकार के नर्मदा जल संसाधन, जलापूर्ति एवं कल्पसार विभाग से तापी- करजन पाइपलाइन लिंक सिंचाई योजना से फिर से आर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि इसके तहत गुजरात में सूरत और तापी जिले में 16,919 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिये उकई जलाशाय से 14.2 घनमीटर प्रति सैंकड पानी को पहुंचाना है।

गाँधी विचारमाला / विशेष गाँधीजी के राज्यविहीन रामराज्य के स्वरूप में सभी जनसापेक्ष विचारधाराओं का संगम है

ललितपुर। गाँधी विचारमाला पर आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नेहरू महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. भगवत नारायण शर्मा ने कहा कि दक्षिण अफीका में और स्वदेश लौटने पर भारत में गाँधीजी का आगमन एक ऐसी निर्णायक घड़ी में हुआ, जिस समय प्रथम विश्व युद्ध और सोवियत रूस की बोल्शेविक क्रान्ति के दोहरे प्रभाव के कारण पूर्ववर्ती पुनर्जागरण के अग्रदूत स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के राष्ट्रप्रेम का दायरा समस्त मानवप्रेम से जुड़ता चला जा रहा था।

माता-पिता की मृत्यु उपरान्त

जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे दबंग

बच्चों ने नाना के संग डीएम-एसपी को भेजा शिकायती पत्र

ललितपुर। माता-पिता के निधन उपरान्त नाबालिग बच्चों के नाम पर आयी जमीन पर दबंगों द्वारा जबरन अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इतना ही नहीं बच्चों को संरक्षण देने वाले उसके करीबी रिश्तेदारों को भी दबंगों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही है। मामले की शिकायत नाबालिग बच्चों ने रिश्तेदारों के साथ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को भेजते हुये कार्यवाही की मांग उठायी है। ग्राम बिरारी निवासी रनमत पुत्र नन्दू ने बताया कि उसकी पुत्री स्व. रंजना कुशवाहा की शादी मुहल्ला आजादपुरा निवासी स्व. राजाराम कुशवाहा के पुत्र धर्मेश उर्फ धर्मेन्द्र कुशवाहा से हुयी थी। बताया कि 19 जुलाई 2020 को प्रार्थी की पुत्री रंजना कुशवाहा की मृत्यु हो गयी और कुछ दिन पश्चात 24 जुलाई 2020 को दामाद की भी मृत्यु हो गयी। कि तबसे उसकी पुत्री के बच्चे उनके के संरक्षण में रह रहे है। 06 अक्टूबर 2020 को उसे सूचना मिली कि भरतपुरा हाउस के पास स्थित प्रार्थी के दामाद धर्मेश की जमीन पर मुहल्ले का दबंग व आपराधिक किस्म का भूमाफिया उक्त बच्चों की जमीन पर कब्जा कर रहा है। तब प्रार्थी तुरन्त आजादपुरा भरतपुरा हाउस के पास खाता संख्या 1962 रकवा 0.005 है, जिसका मालिकाना हक प्रार्थी के स्व. दामाद के नाम खतौनी में दर्ज है जिस पर प्रार्थी का दामाद काबिज था कि उक्त आराजी प्लाट पर जबरन कब्जा करना चाहता है। जिसे रोका गया तब उक्त दबंग ने कहा कि यहां से भाग जाओ यहां तेरे नातियों की कोई जमीन नहीं है और दोबारा नहीं आना यहां नहीं तो जान से मार देने की धमकी देते हुये कहा कि उक्त जमीन पर मेरा पुत्र रहेगा जो कि दिल्ली में पुलिस में कार्यरत है और तुम्हें किसी झूठे मुकदमें में फसवा देगें, जिससे जिन्दगी भर जेल में सड़ोगें। तब प्रार्थी वहां से जान बचाकर भाग आया। कि वर्तमान में उक्त जमीन पर स्व. धर्मेश व स्व. रंजना के बच्चे सृष्टि 12 वर्ष, शौर्या 8 वर्ष व सौम्या 6 वर्ष का मालिकाना हक है और उक्त बच्चे माँ बाप के गुजरने के बाद असहाय है एवं उक्त बच्चों के जीवन यापन के लिए उनकी पैतृक जमीन की रक्षा करना अति आवश्यक है। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करायी जाकर कानूनी कार्यवाही

मामा माणिकचन्द्र वाजपेयी शताब्दी समारोह के समापन पर केन्द्रीय मंत्री तोमर ने की पहल

पत्रकार कॉलोनी लीजरेंट मामले में समाधान का दिलाया भरोसा

ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मामा माणिकचन्द्र वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह के समापन अवसर पर पत्रकार कालोनी की विवादित अवधि के लीजरेंट पर साकारात्मक पहल करने का आश्वासन आज बुधवार को ग्वालियर प्रेस क्लब के प्रतिनिधि मंडल को दिया। केन्द्रीय मंत्री के आश्वासन एवं आग्रह के बाद वरिष्ठ पत्रकार चन्द्रवेश पांडे ने पदवेश ग्रहण किये। ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल के नेतृत्व में पत्रकारों के प्रतिनिधि मंडल ने आज बुधवार को रेसकॉर्स रोड स्थित केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया कि मामा माणिकचन्द्र वाजपेयी पत्रकार कॉलोनी विवादित अवधि का लीजरेंट ग्वालियर विकास प्राधिकारण द्वारा मांगा जा रहा है। जोकि न्याय उचित नहीं है। लीजरेंट को लेकर वरिष्ठ पत्रकार चन्द्रवेश पांडे ने पदवेश छोड़ दिये हैं। एक माह से नंगे पेर चल रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने लीजरेंट विवाद के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों से चर्चा करने के उपरांत भरोसा दिलाया कि इस मामले का कोई न्यायोचित समाधान निकाला जाये। प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ पत्रकार योगेन्द्र सैन, वृजमोहन शर्मा, प्रदीप तोमर, सुरेन्द्र माथुर, अशोक पाल, रमन शर्मा, राजेन्द्र तलेगावकर, विक्रम प्रजापति, रवि उपाध्याय मौजूद थे।

बुंदेलखंड में कोरोना रिकवरी रेट में आ रहा सुधार

ललितपुर। सूखा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बुंदेलखंड का बहुत पुराना नाता है। लेकिन मौजूदा समय में बुंदेलखंड सहित

सातों जनपदों में चित्रकूट अव्वल, 92 फीसद रिकवरी रेट, हमीरपुर दूसरे व झांसी जनपद तीसरे स्थान पर

पूरा देश वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण से लड़ रहा है। सीमित संसाधनों के बाद भी बुंदेलखंड का औसतन रिकवरी रेट 89 फीसद है। चित्रकूट जनपद का कोरोना रिकवरी रेट बुंदेलखंड के अन्य जनपदों में सबसे बेहतर है। हमीरपुर दूसरे और झांसी जिला तीसरे स्थान पर है। कोरोना संक्रमित दिन प्रतिदिन मिल रहे है, लेकिन कोरोना को मात दे रहे मरीजों की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। इससे बुंदेलखंड के रिकवरी रेट में काफी सुधार आया है। चित्रकूट में अब तक कोरोना के 1372 मरीज मिले हैं। जिसमें 1263 पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। इसका रिकवरी रेट सर्वाधिक 92 प्रतिशत है। हमीरपुर में 1107 में से 1009 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। यहां रिकवरी रेट 91 फीसदी है। इसी तरह झांसी जनपद में 7503 पाजिटिव केस मिले हैं। 6782 मरीजों के ठीक होने के बाद रिकवरी रेट 90 फीसद से अधिक है। चित्रकूट मंडल के महोबा जिले में 895 मरीजों में 795 डिस्चार्ज होकर घर लौट आए हैं। महोबा का रिकवरी रेट 89 प्रतिशत हो गया है। बांदा में 2148 में 1850 मरीज स्वस्थ्य हो गए हैं। यहां का रिकवरी रेट 86 फीसद है। इसी तरह झांसी मंडल के ललितपुर में 2602 मरीज मिल चुके हैं। 2287 मरीजों के डिस्चार्ज होने पर यहां का रिकवरी रेट 87.54 प्रतिशत है। जालौन में 2364 में 2938 मरीजों के ठीक होने के बाद यहां का रिकवरी रेट 86 फीसद पहुँच गया है। झांसी मंडल के अपर निदेशक स्वास्थ्य डा.वी.के.सिन्हा का कहना है कि जनपद में पहले की अपेक्षा अब कम मरीज मिल रहे है साथ ही रिकवरी रेट में सुधार दिखाई दे रहा है। यह सभी के प्रयासों का नतीजा है। और हालात को और सुधारने में हम प्रयासरत है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सतरवांस में हुआ स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

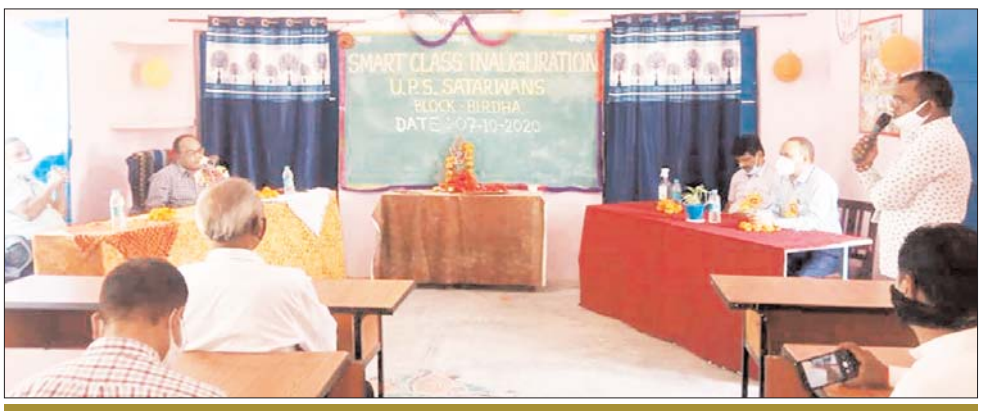

ललितपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय सतरवांस में शासन के दिशा-निर्देशों के क्रम में प्रेरणा मिशन के अंतर्गत विद्यालयों में जनसहयोग स्मार्ट क्लास का शुभारंभ मुख्य अतिथि मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक झांसी मण्डल, विशिष्ट अतिथि बीएसए रामप्रवेश, अतिथि बीईओ जखौरा जमील अहमद, बीईओ बिरधा विनोद कुमार पटैरिया की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, मीना मंच, खेल मैदान सहित विद्यालय का भौतिक परिवेश देखकर मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक द्वारा बताया गया कि मैंने अनेक विद्यालय देखे पर इतना व्यवस्थित विद्यालय नहीं देखा जो बेसिक शिक्षा के सभी मानकों को पूर्ण करता है। यह सभी मानक उच्च प्राथमिक विद्यालय सतरवांस पूर्ण करता है। इस अवसर पर बीएसए राम प्रवेश ने कहा कि आज हम कह सकते। कि हमारे जनपद के अनेक विद्यालय प्राईवट विद्यालयों से भी आगे हैं। संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनय रजक ने किया। अंत में सभी का आभार राजेश झां ने व्यक्त किया। इस अवसर पर राहुल जैन, कमलेश श्रीवास्तव, दीपक यादव, प्रहलाद निरंजन, भरत सिंह, हरकेश सोलंकी, गौरव जैन, शोभी राजा, अंजू राजा, पूनम राजा, पूनम विश्वकर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बुन्देलखण्ड से पुराने बागों की धरोहर हो रही समाप्त : डा.अर्चना दीक्षित

ललितपुर। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक वि.वि. के अन्र्तगत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र ललितपुर के परिसर में बाग प्रबन्धन तकनीकियों पर प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुराने बागो के निरन्तर समाप्त होने की समस्या पर जोर दिया गया। केन्द्र की वैज्ञानिक डा.अर्चना दीक्षित ने बताया कि हमारे बगीचे हमारी धरोहर होते है एवं आज बुन्देलखण्ड से ये धरोहर धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। उन्होने बताया कि आज जितनी आवश्यकता नये बाग (आंवला, अमरुद, नीबू, बेर, बेल, सीताफल) आदि की है, उससे कहीं ज्यादा जरुरत पुराने स्थिर खडे हमारे बागों के जीर्णोधार की भी है। डा.अर्चना दीक्षित ने पुराने बागों को सुधारने के लिए वर्ष भर की क्रियाओं का कैलेंडर बना कर प्रसार कार्यकर्ताओं को समझाया

बाग प्रबंधन तकनीकियों पर दिया गया प्रशिक्षण

जिसमें मुख्यत~ फल वृक्षों की ससमय कटाई-छटाई, फरवरी, जून, अक्टूबर माह में उर्वरकों का प्रयोग, फूल एवं फल झडन रोकने के लिए एन.ए.ए.(4 मिली. को 15 ली.पानी के घोल में मिलाकर छिडकाव), थाला को पेड की छाया अनुसार बनाने की विधियों पर जोर दिया। उन्होने कटाई-छटाई उपरान्त कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का पेस्ट बनाकर कटी हुई शाखाओं के छोर पर लगाकर बीमारियों से बचाने की सलाह दी। इस दौरान डा.नितिन यादव वैज्ञानिक, पादप सुरक्षा द्वारा बागवानी फसलों में लगने वाले कीटो एवं उनके नियन्त्रण की जानकारी दी। डा.सरिता देवी ने फलों के मूल्य संवर्धन को किसानों की आय दोगुनी करने का स्त्रोत बताया। डा.दिनेश तिवारी वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान द्वारा बताया गया कि सरसों का क्षेत्रफल बढानें के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करने की जरुरत है। इसी क्रम में डा.नितिन पाण्डे वैज्ञानिक ने हर व्यक्ति को अपने जीवनकाल में वृक्षारोपण करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में एन.आर.एल.एम., एच.बी.एम., प्रगति भारत एवं कनक एन.जी.ओं के 15 प्रसार कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

पुत्री के अपहरण का आरोप हत्या की जतायी आशंका

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्र के ग्राम तेरई निवासी महिला ने इटारसी निवासी कुछ लोगों द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री का अपहरण किये जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि उक्त लोगों द्वारा उसकी पुत्री की हत्या की जा सकती है। पीड़ित महिला ने मामला दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की मांग करते हुये पुत्री को सकुशल बरामद किये जाने की गुहार लगायी है। पीड़ित ने शिकायती पत्र में बताया कि जब वह व उसका पति ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी तो उक्त लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी देते हुये भगा दिया। पीड़ित महिला का आरोप है कि विपक्षियों को पुलिस द्वारा थाने में बैठा कर चाय पिलायी जाती है, जबकि उनकी फरियाद नहीं सुनी जा रही है। पीड़ित महिला ने मामले की जांच कराते हुये पुत्री को सकुशल बरामद किये जाने की मांग उठायी है। शिकायती पत्र पर कलादेवी पत्नी मेहरबान लोधी के हस्ताक्षर अंगूठा अंकित बताये गये हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की आयुष्मान योजना के तहत होगी सेहत की जांच फिट हेल्थ वर्कर कैंपेन के तहत होगा फ्रण्टलाइन वर्कर का चेकअप कैंसर, डायबिटीज व हाइपरटेंशन की होगी जाँच ललितपुर। कोरोना महामारी के समय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का खास ख्याल सरकार द्वारा रखा जा रहा है।

TOMAR ASSOCIATES

शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये

नवरात्री के अवसर पर विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध

ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युक्त पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध हैं।
500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट

नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा।

नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी।

कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक

पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.
मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.

मुद्रक : भारत प्रिंटर्स, गिर्राज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश प्रावधानी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

माइक्रो लोक अदालत का आयोजन 18 को

ललितपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर के तत्वाेधान में पेटटी क्रिमिनल केस से संबंधित 18 अक्टूबर 2020 को सुबह 10.30 बजे से माइक्रो लोक अदालत का एवं 01 नवम्बर 2020 को सुबह 10.30 बजे से मोटर दुर्घटना प्रतिकर वादों व परिवारिक वादों से संबंधित ई-लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय परिसर में किया जा रहा है। जिसमें अधिक से अधिक वादों के निस्तारण किया जावेगा। यह जानकारी देते हुये प्रभारी सचिव सूरज मिश्रा ने आह्वान किया कि ऐसे वादकारी जो अपने लंबित वादो को आपसी सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित कराना चाहते हो वह संबंधित न्यायालय में उक्त तिथियों के पूर्व प्रार्थनापत्र प्रस्तुत करके अपना वाद ई-लोक अदालत में निस्तारण हेतु नियत करा सकते है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन./31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478